04 - खून से सनी पड़ोस की राजनीति

05 - पद्म सम्मान मेरे जीवन में टॉनिक की तरह

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 14 मई, 2025

06 - बोरगांव जीन में 160 नग अवैध सागौन चिरान जब्त

07 - 6 करोड़ 87 लाख रूपये की लागत से बनी 7.10 किमी...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 244, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

विराट कोहली : भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान का यादगार सफर

अभिजीत श्रीवास्तव

'टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैगी ब्लू पहनकर मैदान में उतरे हुए 14 साल हो गए। सच कहूं तो मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि ये फ़ॉर्मेट मुझे ऐसे सफ़र पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे गढ़ा, मुझे निखारा, और बहुत कुछ सिखाया जो ज़िंदगी भर मेरे साथ रहेंगे।'

इन शब्दों के साथ मौजूदा समय के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। हालांकि वो वनडे क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे।

विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट में सफर 14 साल लंबा रहा और इस दौरान उन्होंने 123 टेस्ट मैच खेले। विराट ने 123 टेस्ट मैचों की 210 पारियों में 30 शतक, 31 अर्धशतकों की बदौलत 46.85 के औसत से 9230 रन बनाए।

विराट ने अपने संन्यास का एलान इंस्टाग्राम पर किया। विराट कोहली ने लिखा, 'सफेद जर्सी में खेलने का एक अलग ही अपनापन होता है। वो चुपचाप की जाने वाली मेहनत, वो लंबे-लंबे दिन, और वो छोटे-छोटे लम्हे जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन ये आपके दिल में हमेशा के लिए बस जाते हैं।' विराट ने लिखा, 'हालांकि इस फ़ॉर्मेट से अलग होने का यह फ़ैसला आसान नहीं था, पर मुझे सही लगा। मैंने इस खेल को अपना सब कुछ दिया है और बदले में इसने मुझे उससे कहीं ज़्यादा दिया, जितना मैंने कभी सोचा था।' कोहली ने अपने प्रशंसकों और दर्शकों के प्रति भी आभार जताया। पोस्ट के अंत में विराट ने लिखा, 'मैं अपने टेस्ट कॅरियर को हमेशा एक मुस्कान के साथ याद रखूंगा।'

पिछले साल जून में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। कुछ दिन पहले ही रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी, विराट का यह फ़ैसला उसके कुछ दिनों बाद ही आया है। इसका मतलब यह भी है कि इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सिरीज़ में मध्यक्रम में दो सीनियर क्रिकेटर्स की ग़ैर मौजूदगी होगी।

इंग्लैंड में ही खेली गई 2014 की टेस्ट सिरीज़ के फ़्लॉप शो ने कोहली को विराट बनाने में एक अहम भूमिका निभाई। तब तक वो ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड, न्यूज़ीलैंड के बेसिन रिज़र्व और दक्षिण अफ़्रीका के जोहानेसबर्ग में शतक जमा चुके थे। उन्हें भारतीय क्रिकेट का उभरता हुआ स्टार माना जा रहा था। तब 24 टेस्ट मैच खेल चुके विराट कोहली पहली बार इंग्लैंड की धरती पर खेलने गए थे। ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ़्रीका की तेज़ पिचों पर अपना लोहा मनवा चुके विराट की इंग्लिश गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन के आगे एक न चली। अंग्रेज़ी मीडिया में उनकी खूब आलोचना हुई, यहां तक लिखा गया कि, 'घरेलू मैदान में हर बल्लेबाज़ शेर होता है, लेकिन जो हर तरह की पिचों पर शानदार बल्लेबाज़ी करे वो ही वास्तव में महान बल्लेबाज़ है।' विराट के कॅरियर का यह प्रकरण इसलिए ज़रूरी है कि जब वो भारत लौटे तो उन्होंने अपनी बल्लेबाज़ी की तकनीक को और सुधारने की ठान ली। सचिन तेंदुलकर से भी सलाह ली। एक तरफ उनकी आलोचना हो रही थी तो दूसरी ओर वो कड़ा अभ्यास कर रहे थे। सचिन जैसी लगन, फिटनेस ऐसा कि उसेन बोल्ट को भी टक्कर दें।

विराट कोहली ने 'ख़ुद पर यकीन करना और कड़ी मेहनत' को अपने क्रिकेट का मंत्र ही बना लिया। यहां से कोहली क्रिकेट के सभी तीन फ़ॉर्मेट में न केवल फिट हुए बल्कि ताबड़तोड़ रन भी बनाए। बल्ले से रन ऐसे निकलने लगे कि उन्हें 'चेज़ मास्टर' तक का उपनाम मिला।

इंग्लैंड के असफल दौरे से अगस्त में लौटे कोहली अगले चार महीने नेट्स में जम कर पसीने बहाते रहे और इसका नतीजा आया उसी साल 9 दिसंबर से शुरू हुए ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर। एडिलेड के पहले टेस्ट की दोनों पारियों में कोहली के बल्ले से शतक निकले फिर मेलबर्न में सेंचुरी जमाई।

ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर ही महेंद्र सिंह धोनी की जगह विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट की कप्तानी सौंप दी गई। 2011 में वेस्ट इंडीज़ के सबीना पार्क पर अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले कोहली क़रीब साढ़े तीन साल बाद ही कप्तान बना दिए गए। चयनकर्ताओं का यह फ़ैसला बेहद कारगार साबित हुआ। बतौर कप्तान पहले टेस्ट में ही कोहली ने सेंचुरी जमाई और सिडनी टेस्ट को ड्रॉ पर रोकने में अहम भूमिका निभाई।

विराट न केवल सबसे सफल भारतीय क्रिकेट कप्तान बने बल्कि उन्होंने कई यादगार जीत दिलाई और इस दौरान उनके बल्ले से भी खूब रन बरसे। बतौर टेस्ट कप्तान विराट ने भारत को सबसे अधिक 40 टेस्ट मैचों में जीत दिलाई। इस दौरान सबसे अधिक लगातार 9 टेस्ट सिरीज़ जीतने का रिकॉर्ड कायम किया। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सिरीज़ में जीत हासिल की। बतौर टेस्ट कप्तान विराट ने सबसे अधिक 5,864 रन, सर्वाधिक 20 शतक, सबसे अधिक छह दोहरे शतक, सर्वाधिक नाबाद 254 रन के रिकॉर्ड बनाए जो आज भी कायम है।

इन 14 सालों के दौरान पांच ऐसे भी साल (2012, 2015, 2016, 2018 और 2023) आए जब विराट ने एक कैलेंडर वर्ष में किसी भी भारतीय बल्लेबाज़ से अधिक रन बनाए। मेज़ अपनी कप्तानी के दौरान की कोहली 2018 में इंग्लैंड दौरे पर फिर गए तो उन्होंने अलग छाप छोड़ी। 59.30 की औसत से उन्होंने दोनों टीमों के किसी भी खिलाड़ी से अधिक 583 रन बनाए। दो दमदार शतक जमाए और इंग्लैंड की मीडिया को 'किंग कोहली' लिखने पर मजबूर किया। इस साल विराट ने कुल 1322 रन बनाए. 2016 से 2019 तक विराट कोहली के टेस्ट करियर का स्वर्णिम दौर रहा। इस दौरान उनके बल्ले से 35 टेस्ट मैचों के दौरान 66.59 की औसत से 14 शतक और आठ अर्धशतकों समेत 3596 रन निकले।

हालांकि विराट ने यह लिखा है कि टेस्ट से संन्यास लेने का फ़ैसला आसान नहीं था। विराट कोहली के संन्यास लेने की शायद ये भी वजह रही होगी। वनडे वो खेलते रहेंगे। रन बनाने की उनकी भूख अभी शांत नहीं हुई है, इसकी गवाही आईपीएल 2025 में उनके बल्ले से निकले 500 से अधिक रन दे रहे हैं।

विराट कोहली के संन्यास लेने पर सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आपकी असल विरासत ये है कि अनगिनत युवा क्रिकेटर इस खेल को अपनाने के लिए आपसे प्रेरित होंगे।' आपका टेस्ट कॅरियर क्या शानदार रहा है। सिर्फ रन ही नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट को आपने बहुत कुछ दिया है। बधाई।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

हर आतंकी हमले का जवाब अपनी शर्तों पर देंगे

पीएम मोदी बोले- भारत की ओर नजर उठाने का अब एक ही है अंजाम, 'तबाही'

पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं, जहां आतंकी चैन से रह सकें घर में घुसकर मारेंगे

जालंधर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे। यहां उन्होंने एयरफोर्स के जवानों से मुलाकात की। इसके बाद जवानों को 28 मिनट संबोधित भी किया। मोदी ने कहा, भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा- विनाश और महाविनाश। जिस पाकिस्तानी सेना के भरोसे ये आतंकी बैठे थे, भारत की सेना, एयरफोर्स और नेवी ने उस पाकिस्तानी सेना को भी धूल चटा दी है। उन्होंने कहा,पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं है, जहां बैठकर आतंकवादी चैन की सांस ले सकें। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। हमारे ड्रोन्स, मिसाइलों के बारे में सोचकर पाकिस्तान को कई दिन तक नींद नहीं आएगी। पाकिस्तान की गुहार के बाद भारत ने सिर्फ अपनी सैन्य कार्रवाई को स्थगित किया है। अगर पाकिस्तान ने फिर से आतंकी गतिविधि या सैन्य दुस्साहस दिखाया तो हम उसका मुंह तोड़ जवाब देंगे। यह जवाब अपनी शर्तों पर, अपने तरीके से होगा। इस निर्णय की आधारशिला, इसके पीछे छिपा विश्वास है।

वायुसेना की तारीफ, कहा- आप दुनिया में बेहतरीन

आज हमारे पास नई टेक्नोलॉजी का सामर्थ्य है, जिसका पाकिस्तान सामना नहीं कर सकता है। एयरफोर्स सहित सभी सेनाओं के पास दुनिया की श्रेष्ठ तकनीक पहुंची है, नई टेक्नोलॉजी के साथ चुनौतियां भी उतनी बड़ी होती हैं। कॉम्प्लिकेटेड और सोफेस्टिकेटेड सिस्टम को मेंटेन करना और एफिशिएंसी के साथ चलाना स्किल है। आपने सिद्ध कर दिया है कि आप इस गेम में दुनिया में बेहतरीन हैं। भारत की वायुसेना सिर्फ हथियारों से ही नहीं, डेटा और ड्रोन से भी दुश्मन को छकाने में माहिर हो गई है।

बुद्ध, गुरु गोविंद की बात की, कहा-आतंकवादियों को घर में घुसकर कुचला

पीएम ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर कोई सामान्य सैन्य अभियान नहीं, ये भारत की नीति-नीयत और निर्णायक क्षमता की त्रिवेणी है। भारत बुद्ध की भी धरती है और गुरु गोविंद की भी धरती है। गुरु गोविंद सिंह जी ने कहा था कि सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तब गोविंद सिंह नाम कहाऊं। जब हमारी बहनों-बेटियों का सिंदूर छीना गया तो हमने आतंकवादियों के फन को उनके घर में घुसकर कुचल दिया। वो कायरों की तरह छिपकर आए, लेकिन भूल गए कि जिन्हें ललकारा है, वो हिंद की सेना है। आपने उन्हें सामने से हमलाकर मारा, आपने आतंक के तमाम बड़े अड्डों को मिट्टी में मिला दिया। 9 आतंकी ठिकाने बर्बाद हुए, 100 से ज्यादा आतंकियों की मौत हुई। आतंक के आकाओं को समझ में आ गया है कि भारत की ओर नजर उठाने का एक ही अंजाम होगा- तबाही।

सीबीएसई में लड़कियों ने फिर कर दिया कमाल

10वीं-12वीं का रिजल्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। 10वीं में 93.60 फीसदी और 12वीं में 88.39 फीसदी

स्टूडेंट्स पास हुए। इस साल 10वीं और 12वीं के करीब 44 लाख स्टूडेंट्स ने बोर्ड एग्जाम्स दिए थे। रिजल्ट में लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से बेहतर रहा है। 10वीं लड़कियों का रिजल्ट 95.0 फीसदी, जबकि लड़कों का रिजल्ट 92.63 फीसदी रहा है। लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 2.37 फीसदी बेहतर रहा है। 12वीं में लड़कियों का रिजल्ट 91.64 फीसदी और लड़कों का रिजल्ट 85.70 फीसदी रहा है। यानी दोनों क्लासेज में लड़कियों ने बाजी मारी है। सीबीएसई बोर्ड मेरिट लिस्ट जारी नहीं करता है। इसके अलावा रिजल्ट में कोई टॉपर भी घोषित नहीं किया जाता है। बोर्ड सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को ये निर्देश भी देता है कि किसी भी बच्चे को टॉपर घोषित न करें।

सुप्रभात

जिधर जाते हैं सब जाना
उधर अच्छा नहीं लगता
मुझे पामाल रस्तों का
सफ़र अच्छा नहीं लगता
ग़लत बातों को ख़ामोशी से
सुनना हामी भर लेना
बहुत हैं फ़ायदे इस में मगर
अच्छा नहीं लगता
मुझे दुश्मन से भी
खुद्दारी की उम्मीद रहती है
किसी का भी हो सर क़दमों में
सर अच्छा नहीं लगता
बुलंदी पर उन्हें मिट्टी की
खुशबू तक नहीं आती
ये वो शाख़ें हैं जिन को अब
शजर अच्छा नहीं लगता
ये क्यूँ बाक़ी रहे आतिश-ज़नो
ये भी जला डालो
कि सब बे-घर हों और मेरा हो घर
अच्छा नहीं लगता।

- जावेद अख्तर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए 47 करोड़ रूपए योजना

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में मानव-हाथी द्वंद्व को कम करने और जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 और वर्ष 2026-27 अर्थात् आगामी 2 वर्षों सहित कुल 4 वर्षों (वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक) के

- **मध्यप्रदेश के 2 और महाराष्ट्र के 3 ज्योतिर्लिंगों को मिलाकर सर्किट किया जाएगा विकसित**

लिए राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये की योजना क्रमांक 9854 की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी है।

योजना अंतर्गत हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं वर्ष 2024-25 में कुल राशि रूपये एक करोड़ 52 लाख 54 हजार रूपये व्यय की गयी है। निर्णय अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना में राशि 20 करोड़ रूपये और वर्ष 2026-27 में 25 करोड़ 59 लाख 15 हजार रूपये का प्रावधान किया गया। इस तरह आगामी 2 वर्षों सहित कुल 4 वर्षों (वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक) के लिए योजना का आकार राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के ऐसे संरक्षित क्षेत्र जहाँ हाथियों का आवागमन या उपस्थिति है उनमें एवं संरक्षित क्षेत्रों के बाहर जंगली हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण, रहवास प्रबंधन तथा विकास के लिए योजना बनाई गयी है। जंगली हाथियों की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम, वन्यजीव मानव द्वंद को रोकने के लिए विभिन्न संरचनाएं बनाई जाएंगी। ई-आई सर्विलेंस की स्थापना और संचालन किया जाएगा। वन्य-प्राणियों के रेस्क्यू और पुनर्वास के लिए कार्य किया जाएगा।

योजना अंतर्गत प्रभावित क्षेत्रों में मानव-हाथी द्वंद से निपटने के लिए ग्रामीणों, वन विभाग और अन्य विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। विभिन्न प्रकार की फेसिंग कार्य किया जाएगा, जिसमें सोलर फेंसिंग भी शामिल है। मानव-हाथी द्वंद्व के लिए रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया जाएगा और आवश्यक उपकरण क्रय किए जाएंगे। निगरानी और ट्रेकिंग कार्य के लिए पेट्रोलिंग वाहन और रेडियो कॉलर क्रय किए जाएंगे। साथ ही हाथी मित्र दल का गठन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में मंत्रीगण को प्रदेश में गेहूं उपार्जन की स्थिति, महाराष्ट्र के साथ नदी जोड़ो अभियान के लिए हुए एमओयू, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश द्वारा परस्पर समन्वय से आगामी दिनों में की जाने वाली सांस्कृतिक-धार्मिक व इतिहास केंद्रित गतिविधियों, प्रदेश में निवेश संवर्धन और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए बेंगलुरु और इंदौर में होने वाले आयोजनों तथा 20 मई को इंदौर में होने वाली मंत्रि-परिषद की बैठक तथा विजन डॉक्यूमेंट्स2047 पर चर्चा के संबंध में अवगत कराया।

प्रधानमंत्री को मंत्रि-परिषद ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान के विरुद्ध संचालित ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की ओर से बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी, रक्षा मंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, भारतीय सेना और अर्ध सैनिक बलों के सभी जवानों को बधाई दी।

मानसून की दस्तक, निकोबार द्वीप समूह पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग के मुताबिक, साउथ-वेस्टर्न मानसून मंगलवार को निकोबार द्वीपसमूह, दक्षिण बंगाल की खाड़ी, दक्षिण अंडमान सागर और उत्तर अंडमान सागर के कुछ हिस्सों तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने 10 मई को बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। मौसम विभाग ने आज हरियाणा, छत्तीसगढ़ समेत 23 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। असम, अरुणाचल सहित 8 राज्यों के कई जिलों में तेज बारिश का अनुमान है। राजस्थान के 21 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। राज्य में सोमवार शाम अचानक मौसम बदल गया। जयपुर समेत कई जिलों में तेज बारिश शुरू हुई। सीकर और अजमेर में ओले भी गिरे। हालांकि, उत्तर भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश में 14 से 19 मई तक लू चलने की आशंका है। पश्चिम राजस्थान में 15 से 17 मई और

27 मई तक केरल के तट पर पहुंचने की है संभावना

पश्चिम बंगाल और झारखंड में 14-15 मई तक लू चलने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून अब आगे बढ़ रहा है। इसके बाकी जगहों पर एडवांस में एंट्री का पूर्वानुमान है। आईएमडी के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने आज दक्षिण बंगाल की खाड़ी, दक्षिणी अंडमान सागर, निकोबार द्वीप समूह और उत्तरी अंडमान सागर के कुछ हिस्सों में प्रवेश कर लिया है। दक्षिण भारत के राज्यों में अगले कुछ दिनों तक बारिश का मौसम बना रहेगा। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पूर्वोत्तर भारत में भी भारी बारिश की संभावना है। गरज और बिजली के साथ बारिश होने से लोगों को परेशानी हो सकती है। उत्तर भारत के कुछ राज्यों में गर्मी बढ़ने वाली है। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश में 14 से 19 मई तक लू चलने की आशंका है। राजस्थान में भी 15 से 17 मई तक लू चल सकती है। लोगों को गर्मी से बचने के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 14 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बीएसएफ जवान की पत्नी को ममता बनर्जी ने लगाया फोन

सीएम ने रजनी के बातचीत करके रिहाई में मदद का दिया भरोसा

कोलकाता (एजेंसी)। 'पाकिस्तान रेंजर्स' द्वारा हिरासत में लिए गए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कांस्टेबल पूर्णम कुमार साहू की पत्नी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनसे फोन पर बात की और उनके पति की रिहाई के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। बीएसएफ जवान की पत्नी रजनी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने

रविवार शाम को उन्हें फोन किया। इससे पहले रजनी ने अपने पति की रिहाई की कोशिश में तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए उनसे मिलने की इच्छा व्यक्त की थी। पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में तैनात साहू (40) 23 अप्रैल को अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गए थे और बाद में उन्हें 'पाकिस्तान रेंजर्स' ने हिरासत में ले लिया था। रजनी ने संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री ने मेरे स्वास्थ्य के बारे में भी पूछा।

घाटी एनकाउंटर में लश्कर के तीन हुए आतंकी ढेर

- जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सेना का बड़ा ऐक्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सेना ने आतंकियों के खिलाफ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर समेत तीन आतंकियों को मार गिराया। बताया गया है कि आतंकियों की तरफ से फायरिंग किए जाने के बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई की। इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी चल रहा है। अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि इन आतंकियों का पहलगाम हमले से कनेक्शन है या नहीं। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिण कश्मीर के शुकरू केलर इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। स्थानीय रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मुठभेड़ कुलगाम जिले से शुरू हुई थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ शुरू हो गई। स्थानीय रिपोर्ट है कि सेना के जवाबी हमले में लश्कर के कमांडर समेत तीन आतंकी ढेर कर दिए गए हैं। सेना की तरफ से बताया गया है कि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। जंगलों में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

पंजाब में जहरीली शराब से अब तक 17 लोगों की मौत

8 गंभीर, बोल भी नहीं पा रहे, डीएसपी-एसएचओ सस्पेंड, 9 लोग गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में अमृतसर जिले के मजीठा क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से मरने वाले लोगों की संख्या 17 हो गई है। जबकि, 8 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इनका अमृतसर के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बीमारों में 4 की हालत इतनी गंभीर है कि वे बोलने की स्थिति में भी नहीं हैं। मृतकों में भंगाली कलां, मराडी कलां, पातालपुरी, थ्रिएवाल, तलवंडी खुम्मन और करनाला के लोग शामिल हैं। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया। पुलिस ने जहरीली शराब बेचने के आरोप में अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है कि जहरीली शराब कहां से और कैसे आई। इसके अलावा मजीठा थाने के डीएसपी अवतार सिंह और एसएचओ अमोलक सिंह को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, दोपहर को सीएम मान भी मजीठा पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की। मामले में सीएम भगवंत मान ने कहा है कि यह दुखदायी और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। जहरीली शराब पीने से अब तक 17 के करीब लोगों की मौत हुई है।

महिलाओं का रेप, 9 दोषियों को हुआ आजीवन कारावास

- वीडियो बनाया, 2 साल तक ब्लैकमेल कर रेप किया

तमिलनाडु के पोल्लाची यौन उत्पीड़न केस में फैसला

कोयंबटूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के पोल्लाची यौन उत्पीड़न मामले में कोयंबटूर महिला अदालत ने मंगलवार को 9 लोगों को मौत तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आज सुबह ही सभी को दोषी ठहराया था। जज आर नंदिनी देवी ने इन्हें गैंगरेप और बार-बार रेप का दोषी पाया। कोर्ट ने पीड़ित महिलाओं को कुल 85 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। 9 दोषियों ने 2016 से 2018 के दौरान कई महिलाओं का यौन शोषण किया था। पीड़ितों में कॉलेज की छात्राएं और शादीशुदा महिलाएं थीं। दोषियों ने यौन शोषण के वीडियो बनाए थे। उसके जरिए ब्लैकमेल करके महिलाओं के साथ कई बार रेप किया और पैसे भी मांगे। आरोपियों पर 50 से ज्यादा महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का शक था, लेकिन उनमें से केवल 8 ने ही उनके खिलाफ गवाही दी थी। दोषियों में सबरीराजन उर्फ रिशवंत (32 साल), थिरुनावुकारसु (34

साल), टी वसंत कुमार (30 साल), एम सतीश (33 साल, आर मणि उर्फ मणिवन्नन, पी बाबू (33 साल), हारोन पॉल (32 साल), अरुलानंथम (39 साल) और अरुण कुमार (33 साल) हैं। चलती कार में छात्रा से रेप के बाद मामला सामने आया मामला 24 फरवरी, 2019 को पहली बार तब सामने आया जब 19 साल की एक छात्रा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि 12 फरवरी को पोल्लाची के पास चलती कार में चार लोगों ने उसका रेप किया। उन्होंने इसका वीडियो बनाया।

जैसे को तैसा...

अब टैरिफ से ही मिलेगा टैरिफ वाला जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अमेरिका के कुछ उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह प्रस्ताव विश्व व्यापार संगठन के तहत रखा गया है। अमेरिका ने स्टील और एल्यूमीनियम पर जो शुल्क लगाए हैं, भारत उसका जवाब देना चाहता है। भारत का कहना है कि अमेरिका ने सुरक्षा के नाम पर यह शुल्क लगाया है। भारत ने एजेंसी को बताया कि अमेरिका के इस कदम से भारत से होने वाले 7.6 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ेगा। भारत ने कहा कि इससे अमेरिका में आने वाले सामान पर 1.91 अरब डॉलर का शुल्क लगेगा। प्रस्ताव के अनुसार, भारत अमेरिका से आने वाले कुछ खास उत्पादों पर शुल्क बढ़ाएगा। इसका मतलब है कि उन उत्पादों पर अब ज्यादा टैक्स लगेगा। भारत ने कहा कि वह अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए शुल्क लगाने का अधिकार रखता है। भारत ने यह भी कहा कि वह इस बारे में 30 दिनों के बाद फैसला लेगा। 8 मार्च 2018 को अमेरिका ने कुछ स्टील और एल्यूमीनियम उत्पादों पर सुरक्षा शुल्क लगाया था। उन्होंने स्टील पर 25 फीसदी शुल्क लगाया।

भारत के खिलाफ फिर षड्यंत्र रच रहे मोहम्मद यूनुस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक बार फिर पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर अपने जहरीले और खतरनाक मंसूबों को उजागर किया है। उन्होंने इस बार सुझाव दिया है कि भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्य स्वतंत्र देश जैसे है, जिनके साथ क्षेत्रीय और एकीकृत आर्थिक विकास की रणनीति बनाई जा सकती है।

पूर्वोत्तर राज्यों पर पका रहे हैं एक नया ख्याली पुलाव

सोमवार को यूनुस ने नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की उपाध्यक्ष इंदिरा राणा के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उनकी तरफ से कहा गया है कि बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एक एकीकृत आर्थिक रणनीति बनाई जानी चाहिए। बता दें कि कुछ महीने पहले ही मोहम्मद यूनुस ने पूर्वोत्तर के इस क्षेत्र को भूमि से घिरा हुआ कहा था और बांग्लादेश को इस क्षेत्र का अभिभावक कहा था। एकीकृत योजना का आह्वान किया है।

पहली बार 33 हफ्ते की प्रेग्नेंट को मिली अबॉर्शन की इजाजत

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट में एक 13 वर्षीय लड़की 33 सप्ताह की गर्भवती है। खेलने-कूदने की उम्र की एक बच्ची को अस्पतालों, पुलिस थानों और अदालतों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बच्ची के परिवार ने गर्भपात के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। गुजरात हाईकोर्ट ने सोमवार को गर्भपात की मंजूरी दी है। कोर्ट ने चीफ मेडिकल ऑफीसर की देखरेख में नाबालिग का गर्भपात कराने का निर्देश दिया है। यह देश का पहला मामला है, जब कोर्ट ने सबसे ज्यादा हफ्ते के गर्भपात की अनुमति दी है।

जम्मू-कश्मीर पर तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कोई भी तीसरा देश कश्मीक के मामले में दखल ना दे। एमईए ने कहा कि लंबे समय से हमारा रुख यह है कि कश्मीर मुद्दे को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय रूप से सुलझाया जाना चाहिए; यह रुख नहीं बदला है। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर के बाद भारत ने दो टूक लहजे में पड़ोसी देश पाकिस्तान को कहा है कि पहले उसे पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) खाली करना होगा, तभी द्विपक्षीय बातचीत शुरू हो सकेगी और सभी मामले हल हो सकेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि लंबे समय से हमारा रुख यही है कि कश्मीर मुद्दे को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय रूप से सुलझाया जाना चाहिए; यह रुख नहीं बदला है। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि कश्मीर मुद्दे पर तीसरा पक्ष हमें मंजूर नहीं है। विदेश विभाग ने साफ किया कि जम्मू-कश्मीर पर तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं है। इस मुद्दे को भारत-पाकिस्तान आपस में मिलकर सुलझाएंगे।

विदेश मंत्रालय बोला- भारत-पाकिस्तान आपस में सुलझाएंगे

भारतीय पायलटों को मारना चाहते थे पाकिस्तानी एयरफोर्स के चीफ

भारत के जांबाजों ने चटाई धूल, वॉर रूम के अंदर की सामने आई पूरी कहानी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान हर हाल में भारतीय पायलटों को मारना या बंदी बनाना चाहता था, ताकि फिर से एक बार

अभिनंदन जैसा वाकया हो। खुलासा हुआ है कि इस बार जब भारत और पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों के बीच जब जंग चल रही थी उस वक्त पाकिस्तानी एयरफोर्स के प्रमुख बार भारतीय पायलटों को मारने के लिए चिल्ला रहे थे। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी एयरफोर्स के प्रमुख का फोकस हर हाल में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भारतीय पायलटों को मारने पर थी। वो बार बार वॉर रूम में चिल्ला रहे थे कि उन्हें मार डालो, उन्हें मार डालो, उन्हें पाकिस्तान में एक इंच भी घुसने ना दो। द न्यूज इंटरनेशनल ने बताया है कि एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू 15 स्क्वाड्रन के पायलटों से सीधे बात कर रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि उस वक्त वो एक खुफिया कमांड सेंटर में मौजूद थे। दरअसल पाकिस्तान हर हाल में भारत के पायलटों को मारना चाहता था, ताकि वो भारत को शर्मिंदा कर सके और पूरी दुनिया में अपनी बहादुरी के ढोल पीट सके। लेकिन हकीकत ये है कि आज ही पाकिस्तान की सेना ने कबूल किया है कि भारत के हमले में पाकिस्तान के 11 सैनिक मारे गये हैं और 78 से ज्यादा घायल हुए हैं। जिनमें 5 जवान पाकिस्तानी वायुसेना के हैं। माना जा रहा है कि भारत के हमलों में पाकिस्तानी एयरफोर्स के और भी कई जवान मारे गये हैं।

पाकिस्तान एयरफोर्स को भारत ने दिया बहुत बड़ा झटका

आपको बता दें कि भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान एक संघर्ष में फंस गये। भारत ने आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान की सेना को जिम्मेदार ठहराया है। पाकिस्तान दावा करता है कि भारत ने पाकिस्तान में हमला करने के लिए 80 फाइटर जेट्स को भेजा था, जिनमें 32 राफेल, ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस 30 मिग-30 और मिग फाइटर जेट्स थे। हालांकि पाकिस्तान के दावों की यहीं पर हवा निकल जाती है, क्योंकि भारत के पास 36 राफेल ही हैं। पाकिस्तान ने कहा है कि भारतीय फाइटर जेट्स के खिलाफ पाकिस्तानी एयरफोर्स ने 40 फाइटर जेट्स को भेजा था। आपको बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी आतंकवादियों के मारे जाने के बाद पाकिस्तान ने भी भारत पर हमला करने की कोशिश करते हुए भारत के नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की। पाकिस्तान किसी भी तरह से खुद को बेइज्जत होने से बचाना चाह रहा था और उसकी कोशिश किसी भी हाल में किसी ना किसी भारतीय मिलिट्री ठिकाने को नष्ट करना था, ताकि वो अपनी जनता के बीच खुद को हीरो साबित कर सके। लेकिन भारत ने साफ कर दिया था कि वो इस बार पाकिस्तान की सेना को 'इज्जत बचाने' का मौका नहीं देगा। लिहाजा जब पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश शुरू की, उसके बाद भारत ने पाकिस्तान के एयरबेस को निशाना बनाना शुरू किया। भारत ने पाकिस्तान के शोरकोट में रफीकी एयरबेस, रावलपिंडी में नूर खान एयरबेस, चकवाल में मुरीद, रहीमयार खान, सुक्कुर और चुनियन के साथ-साथ पसरूर और सियालकोट में रडार साइटों को निशाना बनाया।

दरवाजे पर खड़ी थी मंदी, टूट गई थी सप्लाई चेन की डोर

- डोनाल्ड ट्रंप ने यूं ही नहीं लिया यू-टर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की दो बड़ी आर्थिक महाशक्तियों अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर फिलहाल थम गया है। दोनों देशों ने एकदूसरे पर लगाए गए टैरिफ में भारी कटौती की घोषणा की है। यह व्यवस्था 14 मई से लागू होगी और 90 दिन तक चलेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे बड़ी जीत के तौर पर देख रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि चीन के साथ टैरिफ वॉर के कारण अमेरिका की हालत खस्ता हो गई थी। चीन से जहाजों का आना बंद हो गया था और अमेरिका की दुकानों में सामान की किल्लत होने लगी थी। अमेरिका की इकॉनमी मंदी के मुहाने पर पहुंच गई थी और सप्लाई चेन के टूटने के कगार पर थी। यह वजह है कि ट्रंप ने आखिरी समय में पीछे हटने का फैसला किया। चीन के बीच ट्रेड वॉर थमने से अमेरिका के शेयर बाजारों में भारी तेजी रही और उसने 2 अप्रैल के बाद हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर ली।

शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव और नियमित जांच सुनिश्चित करने के लिये जन-जागरूकता ज़रूरी: उप मुख्यमंत्री

यूनिसेफ भोपाल कार्यालय में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण पर किया मंथन

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मातृ मृत्युदर और शिशु मृत्युदर में सुधार के लिए समाज और सरकार दोनों के साझा प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार पर्याप्त नहीं है, स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक चेतना को संस्कार के रूप में विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिये जन-सामान्य को प्रेरित करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ किशोरी ही भविष्य में स्वस्थ माँ बनती है। किशोरियों के पोषण और स्वास्थ्य की नियमित जाँच, गर्भावस्था से पूर्व की तैयारियाँ, गर्भकालीन निगरानी और प्रसव पश्चात देखरेख अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने यूनिसेफ भोपाल कार्यालय में प्रदेश में स्वास्थ्य एवं पोषण विषयक पहलों की समीक्षा की और सुझाव प्राप्त किए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मातृ-शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक सुधार तभी संभव है जब जनमानस में स्वास्थ्य के प्रति चेतना जागे और यह सामाजिक संस्कृति का रूप ले। उन्होंने कहा कि वर्तमान में केवल 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण हो रहा है और लगभग 60 प्रतिशत महिलाएं नियमित एएनसी (एंटी-नेटल केयर) सेवाएं ले रही हैं। यह आँकड़े चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत पंजीकरण और देखरेख को हम सामाजिक आदत और उत्तरदायित्व के रूप में विकसित करना चाहते हैं। इसके लिए हमें यह एक जन-संस्कृति बनानी होगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस दिशा में राज्य सरकार ने 'मातृ-शिशु संजीवन मिशन' और 'अनमोल 2.0 पोर्टल' पहल प्रारंभ की हैं, जो सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण और निगरानी सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, आशा, एएनएम, मैदानी स्वास्थ्य कर्ताओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

यूनिसेफ विशेषज्ञों ने बताया कि गंभीर कुपोषण (एसएएम) के प्रभावी समाधान से 6 माह से 5 वर्ष तक की आयु में होने वाली 68 प्रतिशत मृत्यु को रोका जा सकता है। नवजात देखरेख को सुदृढ़ करने से 70 प्रतिशत शिशु मृत्यु दर को नियंत्रित किया जा सकता है। गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण आवश्यक है, ताकि हाई रिस्क प्रेगनेंसी की पहचान और उपचार समय पर किया जा सके। इन सुझावों पर सहमति व्यक्त करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय कर एकीकृत अंतर्विभागीय रणनीति के माध्यम से कुपोषण, मातृ और शिशु मृत्यु दर की चुनौती का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि समर्पित प्रयासों से मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में संसाधनों की कमी नहीं है। स्वास्थ्य अधोसंरचना का विस्तार निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें केवल सुविधाएं नहीं देनी हैं, बल्कि उपयोग के प्रति नागरिकों को प्रेरित भी करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर एक संगठित और समर्पित रणनीति पर कार्य किया जा रहा है, जिसमें जन-भागीदारी को विशेष महत्व दिया जा रहा है। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल उपस्थित रहे। यूनिसेफ के ऑफिस इंचार्ज डॉ. अनिल गुलाटी एवं हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ. प्रशांत कुमार ने राज्य में स्वास्थ्य सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

जांच से बचने बैकडेट में बनवाया शपथ पत्र

भोपाल में इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की बस ने 8 गाड़ियों को मारी थी टक्कर ; 2 पर एफआईआर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बाणगंगा चौराहे पर सोमवार को हुए बस हादसे के बाद इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की सोसाइटी ने कार्रवाई से बचने के लिए फर्जीवाड़े किया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि स्कूल बस हादसे के बाद एक दिन पहले की तारीख में 'क्रेता-विक्रेता' का शपथ पत्र बनवा लिया गया, ताकि जिम्मेदारी से बचा जा सके। पुलिस ने इस गंभीर मामले में 2 लोगों पर मामला दर्ज किया है।

फर्जी दस्तावेजों से बचने की कोशिश

टीटी नगर थाना प्रभारी सुधीर अरजरिया ने बताया कि इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की बस से हुए हादसे के बाद जब जांच शुरू हुई तो दस्तावेज खंगाले गए। इस दौरान पाया गया कि दुर्घटना के तुरंत बाद, बैकडेट में दस्तावेज तैयार किए गए।

इसमें प्रवेश नागर को क्रेता और प्रदीप पांडे को विक्रेता दर्शाया गया। यह संभावना है कि दस्तावेजों में दी गई तारीख हादसे के बाद ही बनाई गई है।

पुलिस ने इसे दस्तावेजी फर्जीवाड़ा मानते हुए दोनों पर आईपीसी की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, हादसे के मुख्य आरोपी बस ड्राइवर विशाल बैरागी फिलहाल फरार है।

3 जुलाई से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

जेपी अस्पताल के अलावा निजी मेडिकल कॉलेज के 6 डॉक्टर जारी करेंगे मेडिकल सर्टिफिकेट

भोपाल (नप्र)। जेपी अस्पताल के अलावा अब निजी मेडिकल कॉलेज से भी अमरनाथ यात्रा का मेडिकल सर्टिफिकेट मिल सकेगा। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने सोमवार को जारी नई सूची में चिरायु मेडिकल कॉलेज के 6 विशेषज्ञ डॉक्टरों को सर्टिफिकेट बनाने के लिए अधिकृत किया है। ये सभी डॉक्टर अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जांच कर प्रमाण-पत्र जारी करेंगे, जो यात्रा के लिए अनिवार्य है। जिन डॉक्टरों को अधिकृत किया गया है, वे सभी मेडिसिन विशेषज्ञ हैं।

डॉक्टरों की सूची

डॉ. श्वेता
डॉ. शक्ति सिंह राजपूत
डॉ. रियान सिंह
डॉ. रजत
डॉ. आयुष मलिक
डॉ. वीरेंद्र कुमार दुबे (सीएमओ, एमडी जनरल मेडिसिन)

जरूरी है मेडिकल सर्टिफिकेट

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने अमरनाथ यात्रा की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, ऊंचाई, ऑक्सीजन की कमी और खराब मौसम को देखते हुए मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र को अनिवार्य कर दिया है। बिना प्रमाण-पत्र के यात्रा परमिट जारी नहीं होता। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि प्रमाण-पत्र में डॉक्टर का नाम और पंजीयन क्रमांक अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए।

इन पहलुओं की जांच के बाद मिलेगा सर्टिफिकेट

- ऊंचाई और ऑक्सीजन की कमी को सहन करने की क्षमता
- कार्डियक रोग (हृदय संबंधी बीमारियां)
- अस्थमा, हाई ब्लड प्रेशर और सीओपीडी जैसी बीमारियां

सर्टिफिकेट के लिए यह दस्तावेज जरूरी

- आधार कार्ड
- दो पासपोर्ट साइज फोटो
- यदि कोई पुरानी बीमारी है तो उसकी मेडिकल रिपोर्ट

3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगी यात्रा

श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने 2025 की यात्रा की तारीखों की घोषणा कर दी है। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर रक्षाबंधन यानी 9 अगस्त तक चलेगी। इस बार यात्रा 38 दिनों की होगी, जो पिछले साल की तुलना में 14 दिन कम है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मंत्रालय में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध-घुमन्तु कल्याण विभाग की समीक्षा की।

कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन की बैठक में शामिल हुए वीडी शर्मा

लंदन में होनी थी सीपीए की बैठक, भारत-पाक तनाव के चलते वर्चुअल हुई

भोपाल (नप्र)। 6 से 13 अक्टूबर तक राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) का 68वां सम्मेलन बारबाडोस में होगा। बारबाडोस कैरेबियन सागर में एक छोटा सा द्वीप देश है। इस आयोजन को लेकर हुई वर्चुअल मीटिंग में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद वीडी शर्मा शामिल हुए।

भारत-पाक तनाव के चलते लंदन दौरा किया कैंसिल- राष्ट्र मंडल संसदीय समिति यानि कॉमन वेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन की बैठक 12-13 मई को लंदन (यूके) में आयोजित की गई है। इस बैठक में वीडी शर्मा को भी शामिल होना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के कारण उन्होंने अपना लंदन दौरा निरस्त कर दिया। वे इस मीटिंग में वर्चुअल शामिल हुए।

कई मुद्दों पर रखी राय- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने लंदन में आयोजित 68वें कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री समिति की योजना एवं समीक्षा की उप समिति की बैठक में सदस्य के रूप में वर्चुअल जुड़े। उन्होंने राष्ट्र मंडल संसदीय समिति में औपनिवेशिक युग के कानूनों को लागू करने और चर्चा करने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे।

वीडी शर्मा ने राष्ट्र मंडल द्वारा मानवाधिकार मुद्दों और अन्य समकालीन चुनौतियों के लिए औपनिवेशिक युग के कानूनों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। वीडी शर्मा ने कहा कि हमारे विचार में हम समकालीन स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं।

68वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के सम्मेलन में राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय सदस्य भाग लेकर लोकतंत्र, कानून और मानव अधिकार जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। जैसे कि यह सम्मेलन हर साल आयोजित किया जाता है और राष्ट्रमंडल के सदस्यों को एक-दूसरे से सीखने और विचारों का आदान-प्रदान करने का एक मंच प्रदान करता है।

68वें सीपीए सम्मेलन में राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय सदस्य विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आएंगे, जिससे संसदीय लोकतंत्र और राष्ट्रमंडल देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।यह सम्मेलन बारबाडोस में 6 से 13 अक्टूबर 2025 के बीच होगा

सुसाइड नोट में लिखा-मुगलों की जगह शिवाजी और महाराणा प्रताप को पढ़ाया जाए

भोपाल (नप्र)। सोमवार को पुणे में सुसाइड करने वाले भोपाल एम्स के स्टूडेंट का सुसाइड नोट सामने आया है। इसमें उत्कर्ष एम. शिंगणे (19) ने यह कदम अपनी मर्जी से उठने की बात लिखी है।

सुसाइड नोट में उसने शिक्षा मंत्री अपील करते हुए लिखा कि स्कूलों के इतिहास पाठ्यक्रम को बदला जाए। उसमें मुगलों, फ्रेंच और रूस की जगह शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप का इतिहास पढ़ाया जाए।

एक दिन पहले बाथरूम में मिला था शव- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) भोपाल में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे उत्कर्ष ने सोमवार को पुणे में आत्महत्या की थी। पुलिस के मुताबिक शव पुणे के वानवड़ी इलाके की पंचरत्न हाउसिंग सोसाइटी स्थित एक फ्लैट के बाथरूम में मिला। उसने धारदार हथियार से गला काटकर आत्महत्या की थी।

जांच में सामने आया कि वह पिछले कुछ महीनों से डिप्रेशन से जूझ रहा था और दवाइयां भी ले रहा था। महाराष्ट्र के बीड़ जिले का रहने वाला उत्कर्ष एक स्पोर्टस ईवेंट में शामिल होने पुणे गया था।

उत्कर्ष ने वॉट्सऐप पर छोड़ा सुसाइड नोट- पुलिस को उत्कर्ष के वॉट्सऐप अकाउंट पर एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने बदला हुआ पाठ्यक्रम, क्लास अटेंडेंस, और शैक्षणिक तनाव को आत्महत्या की वजह बताई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि उत्कर्ष ने कुछ दिन पहले चाकू जैसा धारदार हथियार ऑनलाइन मंगाया था, जिसे आत्महत्या के लिए इस्तेमाल किया।

सुसाइड नोट में लिखा-अपनी मर्जी से ये कदम उठा रहा हूं- भोपाल एम्स प्रबंधन के अनुसार, उत्कर्ष पढ़ाई में होशियार था। उसका डिप्रेशन का इलाज भी यहीं चल रहा था। इलाज के दौरान काउंसलिंग सेशन में उसने बताया था कि वो मेडिकल की पढ़ाई नहीं करना चाहता था। परिवार के दबाव में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है। करीब तीन दिन पहले तक उसे अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा था। इसी बीच उसकी मां उसे लेकर चली गईं। एडमिशन रजिस्टर में उत्कर्ष लामा (लीव विदाउट मेडिकल एडवाइस) मरीज के तहत दर्ज है।

टॉपर था उत्कर्ष, नीट में मिले थे 710 अंक- उत्कर्ष अपनी क्लास का होनहार छात्र था। उसने नीट परीक्षा में 720 में से 710 अंक हासिल किए थे। उसका चयन एम्स भोपाल में एमबीबीएस कोर्स के लिए हुआ था। पिता डॉक्टर हैं और भाई भी मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है।

एम्स विभाग प्रमुखों और छात्र परिषद की बैठक- एम्स भोपाल के फर्स्ट ईयर स्टूडेंट के सुसाइड के बाद विभागाध्यक्षों और छात्र परिषद की बैठक हुई। यह बैठक मंगलवार दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक चली। जिसमें मुख्य रूप से चार सुझाव निकलकर आए हैं।

मेंटर कार्यक्रम- सभी छात्रों के लिए विभाग स्तर पर एक मेंटर कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस कार्यक्रम की मासिक रिपोर्ट विभागाध्यक्ष की ओर से उच्च अधिकारियों को दी जाएगी।

काउंसलिंग सत्र- छात्रों के लिए विभाग में हर महीने या दो महीने में एक बार संकाय (फैकल्टी) सदस्यों और छात्रों के साथ काउंसलिंग सत्र आयोजित किया जाएगा।

असामान्य व्यवहार की निगरानी- अगर किसी रेजिडेंट में असामान्य व्यवहार (जैसे अजीब बोलचाल, गैर हाजिरी, खुद को अलग-थलग रखना) देखा जाता है, तो इसकी सूचना तुरंत उच्च अधिकारियों को दी जाएगी। इसके लिए यह जरूरी नहीं कि संबंधित रेजिडेंट मानसिक रोग का निदान प्राप्त कर चुका हो।

गैरहाजिरी पर कार्रवाई- अगर कोई रेजिडेंट बिना उचित सूचना के ड्यूटी से गैर हाजिर रहता है, तो इसकी जानकारी उसके पेरेंट्स और उच्च अधिकारियों को दी जाएगी।

बेटी ने लव मैरिज की, एनिवर्सरी के पहले मौत

पिता बोले- उसे समझाया था कि वो लोग ऊंची जाति के हैं, लेकिन नहीं मानी

इटारसी (नप्र)। फादर्स डे पर निकिता ने पिता के साथ ये वीडियो बनाया था। करीब आठ साल पहले टिकटॉक पर शेयर ये वीडियो इटारसी के एक पिता-पुत्री का है। दोनों बहुत खुश हैं। निकिता ने 25 अप्रैल को सुसाइड कर लिया था,उसकी जाति छोटी थी। उसे प्यार ऊंची जाति के लड़के से हुआ। दोनों ने जात-पात का बंधन तोड़ एक साल पहले शादी रचा ली थी। निकिता के परिवारवालों का आरोप है कि बेटी ने आत्महत्या नहीं की, उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने घटना के 15 दिन बाद रविवार को उसके पति आकाश जैन को गिरफ्तार किया है। एसडीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया आकाश पर पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने, दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप है। बेटी को खोने वाले माता-पिता और दादी को न्याय की आस बंधी है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विभागीय विषयों की समीक्षा की

स्वास्थ्य विभाग के भर्ती नियमों में जल्द होगा बदलाव

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि फार्मासिस्ट ग्रेड-2, नेत्र सहायक एवं ओ.टी. टेक्नीशियन के पदों की भर्ती के लिए नियमों में आवश्यक संशोधन शीघ्र किया जाए, ताकि पात्र आवेदकों को अवसर मिल सके और स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हों। उन्होने निर्देश दिए कि नर्सिंग संवर्ग के पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी की जाए। नियमों में आवश्यक संशोधन कर भर्ती के लिए मांग पत्र ई.एस.बी. को तत्काल प्रेषित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में स्वास्थ्य विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, अधोसंरचना विकास एवं रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भुगतान की प्रक्रिया नियमित रूप से की जाए, ताकि बजट का समुचित सदुपयोग सुनिश्चित हो और विकास कार्यों में गति लायी जा सके। उन्होंने कहा कि अधोसंरचना विकास से जुड़े कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने रीवा एवं इंदौर मेडिकल कॉलेज के उन्नयन का प्रस्ताव केबिनेट की स्वीकृति के लिए भेजे जाने के निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी तथा संचालक श्री नीरज कुमार सिंह उपस्थित रहे।

फिजा कॉलोनी में मकान-दुकानें तोड़ने पहुंचे अफसर

विरोध में सड़क पर उतरे लोग ; बोले-हाईकोर्ट का स्टे तो कार्रवाई क्यों?

भोपाल (नप्र)। भोपाल के नारियल खेड़ा स्थित फिजा कॉलोनी में मंगलवार को प्रशासन की टीम मकान-दुकानें तोड़ने पहुंची। इस कार्रवाई को लेकर जमकर हंगामा हुआ। विरोध में लोग सड़क पर उतर आए। लोगों का कहना है कि हाईकोर्ट का स्टे है। इसके बावजूद कार्रवाई क्यों की जा रही है?

जानकारी के अनुसार, फिजा कॉलोनी में 15 से 20 मकान हैं। करीब 40 साल पहले बिल्डर ने परिवारों को प्लाट बेच दिए थे। जहां मकान और दुकानें बन गईं। इसी बीच कुछ साल पहले एक महिला ने कोर्ट में याचिका दायर की और जमीन की नपती में हेरफेर होने की बात कही। जिसके आधार पर वह कोर्ट से केस भी जीत गई थी।

हाईकोर्ट पहुंचे थे रहवासी

इधर, रहवासी भी हाईकोर्ट पहुंच गए। रहवासियों का कहना था कि हम लोग 40 साल से यहां रह रहे हैं। चार-पांच साल से यह विवाद है। सेटलमेंट के लिए समय चाहा गया था। इसलिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस पर 16 जून तक के लिए स्टे मिला था।

अफसरों को स्टे ऑर्डर दिखाया, नहीं माने

मंगलवार दोपहर में बैरागढ़ एसडीएम रविशंकर राय के नेतृत्व में नगर निगम, तीन थाने

की पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करने लगी। रहवासियों ने अफसरों को कोर्ट का स्टे ऑर्डर भी दिखाया। बावजूद कार्रवाई जारी रही और करीब 4 दुकानें तोड़ दी गईं। हालांकि, मामले को तूल पकड़ते देख अफसरों ने स्टे अनुसार, आगे कार्रवाई करने की बात कही।

सभी बच्चों की शादी यहीं से की

बुजुर्ग गीता देवी ने बताया कि 40 साल से यहां रह रही हूं। सभी बच्चों की शादी भी यहीं से की है। अब मकान तोड़ रहे हैं। सुनील जैन ने बताया कि 40 साल पहले प्लाट खरीदे थे। 15 अप्रैल को नोटिस मिला था। इस पर जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाकर स्टे लिया था। आज की कार्रवाई की कोई जानकारी नहीं थी। अचानक पुलिस, नगर निगम और प्रशासन के अफसर मकान तोड़ने आ गए। जबलपुर हाईकोर्ट से स्थगन है, जो अफसर नहीं मान रहे हैं। अब कहां जाएं? दुकान-घर का सामान कहां लेकर जाएं?

इस मामले में बैरागढ़ एसडीएम रविशंकर राय ने कहा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण था। इस पर तहसीलदार का बेदखली का आदेश था। नोटिस दिए गए थे। एक अन्य कार्रवाई भी कोर्ट के आदेश पर की गई है।

मुख्यमंत्री आज बेंगलुरु में इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश रोड शो में निवेशकों से होंगे रूबरू

बीईएमएल के साथ औद्योगिक साझेदारी को मिलेगा नया विस्तार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई ऊंचाई देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 मई को बेंगलुरु में सीइन्वेस्ट इन एमपीसी सत्र में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बीईएमएल (भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड) परिसर का भ्रमण करेंगे, साथ ही 2100वें मेट्रो कोच के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, 'इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज़ इन मध्यप्रदेश' विषय पर आयोजित इन्टरैक्टिव सेशन को संबोधित कर राज्य की औद्योगिक क्षमताओं और नीतिगत प्रतिबद्धताओं को देश के अग्रणी निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

बीईएमएल परिसर में रहेगा कार्यक्रमों का सिलसिला- मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेंगलुरु पहुंचने के बाद बीईएमएल परिसर जाएंगे, जहां उनका स्वागत बीईएमएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक और बोर्ड के सदस्यों द्वारा किया जाएगा। बीईएमएल शॉप विज़िट के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव मेट्रो कोच लोकार्पण और टेस्ट राइड में सम्मिलित होंगे। इसके उपरांत वे इंटीग्रेटेड डिज़ाइन सेंटर का भ्रमण करेंगे और बीईएमएल के भोपाल संयंत्र पर प्रस्तुति देखेंगे। बीईएमएल द्वारा मध्यप्रदेश में स्थापित की जा रही इकाई के लिए ज़मीन आवंटन पत्र सौंपे जाने की औपचारिकता भी इस अवसर पर होगी।

बेंगलुरु में 'इन्वेस्ट इन एमपी' सत्र में होगा राज्य की औद्योगिक ताकत का प्रदर्शन- द लीला पैलेस में आयोजित इन्टरैक्टिव सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रमुख उद्योग समूहों, निवेशकों और टेक्नोलॉजी कंपनियों से संवाद करेंगे। इस सत्र में मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीतियों, अधोसंरचना और क्षेत्रवार निवेश अवसरों पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।

प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेंद्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे तथा प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला शामिल मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर निवेशकों जानकारी देंगे।

निवेशकों के साथ होंगे वन-टू-वन मीटिंग- मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों के साथ वन-टू-वन बैठकों के माध्यम से सीधे संवाद करेंगे। इन संवादों में आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्युफैक्चरिंग, डिफेंस, ऑटोमोबाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी सेक्टर के प्रमुख निवेशक शामिल होंगे।

मध्यप्रदेश बन रहा है 'मेक इन इंडिया' का भरोसेमंद प्लेटफॉर्म

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश लगातार एक मजबूत औद्योगिक आधार तैयार कर रहा है। देश के बड़े औद्योगिक समूहों के साथ संवाद की यह श्रृंखला राज्य को निवेश के नए क्षितिज की ओर ले जा रही है, जहां नीति, संसाधन और नेतृत्व तीनों ही स्तर पर उद्योगों को सुरक्षित और गतिशील मंच प्राप्त हो रहा है।

भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, जो मेट्रो रेल कोच, रक्षा उपकरण, खनन एवं निर्माण मशीनरी के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। बेंगलुरु स्थित इसका विनिर्माण परिसर आधुनिक इंजीनियरिंग और स्वदेशी तकनीक का प्रतिनिधित्व करता है, और यह आत्मनिर्भर भारत के विजन में महत्त्वपूर्ण भागीदार है।

'इंदिरा तेरी याद आई' एमपी में कांग्रेस चलाएगी कैम्पेन

पटवारी बोले : पीएम के संबोधन से पहले ट्रंप ने जो कहा उसे देश समझे

भोपाल (नप्र)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप को लेकर कांग्रेस मोदी सरकार पर सवाल उठा रही है। सीजफायर के ऐलान के बाद सोमवार रात को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों के बाद अब कांग्रेस एमपी में 'इंदिरा तेरी याद आई' अभियान शुरू करने जा रही है।

भोपाल में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा-ये स्पष्ट हो गया है कि ट्रम्प ने पूरे पाकिस्तान और भारत की युद्ध की परिस्थितियों को कंट्रोल किया, जो प्रधानमंत्री का देश के नाम संदेश आया उसके पहले ट्रंप ने जिस तरह की भाषा बोली कि मुझसे व्यापार करना है तो युद्ध पर विराम लगाना होगा मेरी बात माननी होगी। पटवारी ने कहा- सवाल ये है कि युद्ध व्यापार के लिए तो हुआ नहीं था। आत्मसम्मान और भारत के नागरिकों की सुरक्षा के लिए हुआ। देश को देखना समझना है कि क्या ये सारी परिस्थितियां भारत के अनुकूल हुई हैं?

पटवारी ने कहा- हमने ही दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम और प्राणियों में सद्भावना की बात की है। कांग्रेस पार्टी की मूल रीति नीति, विचार, संस्कार, मोहब्बत और भाईचारे के रहे हैं, लेकिन देश के प्रधानमंत्री ने पिछले 10-15 साल में जो भाषण दिए कि पाकिस्तान को लव लैटर लिखना बंद करना चाहिए। उसी की भाषा में उसको जवाब देना चाहिए।

संपादकीय

ओछी और निंदनीय हरकत

पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर से घबराए पाकिस्तान और इससे दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव को कम करने के लिए 'युद्धविराम' की खबर देश को देने पर भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और उनकी बेटी के ऊपर सोशल मीडिया में जिस तरह के हमले किए गए, वह ट्रोल आर्मी की निहायत ही ओछी और निंदनीय हरकत थी। इस रवैये की मोटे तौर पर सभी ने कड़ी भर्त्सना की। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इस का संज्ञान लेते हुए इसे अक्षम्य नैतिक अपराध बताया। विपक्षी नेताओं ने भी देश के इस प्रतिष्ठित अफसर और उनके परिवार के खिलाफ चलाए सुनियोजित निंदा अभियान की कठोर शब्दों में निंदा की। लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा और मोदी सरकार की ओर अपने ही इस वरिष्ठ अधिकारी के पक्ष में कोई बयान नहीं आया। यह भी हैरान करने वाला है। सोशल मीडिया पर किसी को ट्रोल करना या फिर उसका अतिरेकी और अवास्तविक महिमामंडन करना कोई नई बात नहीं है। क्योंकि वह स्वेच्छाचारिता का उन्मुक्त मंच है। लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद एक एजेंडे के तहत जिस तर ट्रोल आर्मी ने विक्रम मिसरी और उनकी बेटी को निशाने पर लिया, वह अक्षम्य है। क्योंकि विक्रम मिसरी ने 10 मई की शाम अपनी एक मिनट से भी कम की प्रेस ब्रीफिंग में सिर्फ इतनी जानकारी दी थी कि भारत और पाक के डीजीएमओ के बीच संघर्ष खत्म करने पर सहमति बनी है। यहां तक कि उन्होंने 'सीजफायर' शब्द का भी इस्तेमाल नहीं किया था। इसकी जगह 'एग्रीमेंट' का उपयोग किया गया। जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीजफायर' का श्रेय शाम को ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में पहले ही ले चुके थे। इसी से सारी दुनिया में बवाल मचा। तब तक भारत का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। विक्रम मिसरी ने मीडिया के सामने जो कुछ कहा, वो मोदी सरकार का फैसला था। इसमें उनकी अपनी कोई भूमिका नहीं थी। इसके बाद भी किसी ने सोशल मीडिया पर विक्रम मिसरी और उनकी बेटी के सोशल मीडिया अकाउंट सार्वजनिक कर दिए, जिससे अभद्र टिप्पणियों की बाढ़ सी आ गई। शुरू में तो विक्रम मिसरी ने इसे अनदेखा किया, लेकिन ट्रोलिंग थमती नजर नहीं आई तो उन्होंने अपना अकाउंट प्रायवेट कर लिया ताकि कोई उस पर अभद्र कमेंट नहीं कर सके। गौरतलब है कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी 1989 बैच के आईएएस अफसर हैं। वो तीन प्रधानमंत्रियों के सचिव रहे हैं। वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी काफी विश्वस्त माने जाते हैं। भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष रोकने के लिए जो तैयारी दिखाई, वह हमारी उदारता का ही प्रमाण है। यह मोदी सरकार का उच्चस्तरीय फैसला था, जिसे अकेले मिसरी ने नहीं लिया था। मिसरी का काम उसे मीडिया को बताना भर था। लेकिन इसके लिए सोशल मीडिया में उनकी जमकर ट्रोलिंग की गई। यह नेटीजनों का नितांत असभ्य और दुष्टतापूर्ण व्यवहार था। सपा नेता अखिलेश यादव ने इसके लिए भगवा ब्रिगेड और भाजपा के लोगों को जिम्मेदार ठहराया। एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन औवेसी ने भी इसकी कड़ी निंदा की। बॉलीवुड स्टार्स और कई प्रतिष्ठित नागरिकों और नेताओं ने विक्रम मिसरी के बचाव और समर्थन में पोस्ट डाली। फिर भी भाजपा नेता मौन ही रहे। जनता में संदेश यह गया कि सत्तारूढ़ भाजपा अपने ही काबिल अफसर के खिलाफ है। अगर ट्रोल आर्मी में ज्यादातर भाजपाई थे तो यह सवाल उठता है कि अपने ही अफसर के खिलाफ कैम्पेन चलाकर वो क्या सिद्ध करना चाहते थे। क्योंकि विक्रम मिसरी ने जो बाद मीडिया ब्रीफिंग में की, वही बात 12 मई को पीएम नरेन्द्र मोदी कह रहे थे। हमारे यहां लोकतंत्र है, लेकिन इसका मतलब निरंकुशता नहीं है।

खून से सनी पड़ोस की राजनीति

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
लेखक स्तंभकार हैं।

भारत और पाकिस्तान के संबंध एक ऐसे चक्रव्यूह की तरह हैं, जिसमें रक्त की रेखाएँ, विश्वास की दरारें और इतिहास की अनकही पीड़ाएँ समाहित हैं। सीमाओं पर बिछी बारूदी सन्नाटों में केवल गोलियों की गूंज ही नहीं, वर्षों की अविश्वास की प्रतिध्वनि भी सुनाई देती है। एक ओर शांति की आकांक्षा है, तो दूसरी ओर सत्ता की शतरंजी चालें। भारत और पाकिस्तान के संबंध हमेशा ही नाज़ुक और अस्थिर रहे हैं। यह दो राष्ट्र न केवल भौगोलिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर भी इनका एक साझा अतीत रहा है। परंतु विभाजन की त्रासदी और उसके बाद की राजनीतिक एवं सैन्य टकरावों ने इस रिश्ते को खून और अविश्वास की लकीरों में बांट दिया है। दोनों देशों के बीच हालिया संघर्ष विराम (सीजफायर) की घोषणा ने क्षणिक उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन तुरंत ही उसका उल्लंघन होना इस रिश्ते की भंगुरता को दर्शाता है।

संघर्ष विराम की अस्थिरता और सैन्य रणनीति का नया दौर

भारत और पाकिस्तान के बीच 2025 में घोषित संघर्ष विराम ने क्षणिक शांति का संकेत अवश्य दिया, लेकिन इसके तुरंत बाद हुई गोलाबारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई अब भी गहरी है। भारत की ओर से आतंकवादी ढांचों को लक्षित कर की गई सीमित और निर्णायक सैन्य कार्रवाइयों ने यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया कि अब आतंकवाद को 'रणनीतिक सब्र' के जरिए सहन नहीं किया जाएगा। उरी हमले के बाद हुई सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा के बाद की बालाकोट कार्रवाई ने इस 'नई सामान्य स्थिति' की नींव रखी थी, जिसे अब 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत और मज़बूत कर दिया गया है। पाकिस्तान के रणनीतिक ढांचे, सैन्य ठिकानों और आतंकी अड्डों पर सटीक हमलों से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत अब जवाबी कार्रवाई के बजाय प्रतिरोध की आक्रामक रणनीति अपना चुका है।

कूटनीतिक परिप्रेक्ष्य और तीसरे पक्ष की भूमिका

भारत-पाक रिश्तों में तीसरे पक्ष की भूमिका हमेशा जटिल रही है। पाकिस्तान ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की है। संघर्ष विराम की प्रक्रिया में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता की इच्छा और भारत की 'दो-तरफा संवाद' की दृढ़ नीति ने इस विरोधाभास को उजागर किया है। पाकिस्तान का यह प्रयास दरअसल उसकी वैश्विक प्रासंगिकता को फिर से स्थापित करने की चेष्टा है। अबोटाबाद में ओसामा बिन लादेन की घटना के बाद से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की छवि धूमिल हुई थी, जिसे वह अब बदलना चाहता है। भारत को इस बात का पूरा ध्यान रखना होगा कि वह द्विपक्षीय नीति पर अडिग रहते हुए, किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को अस्वीकार करे। यह रुख न केवल भारत की संप्रभुता को मज़बूत करता है, बल्कि पाकिस्तान की उस रणनीति को भी विफल करता है, जिसके तहत वह अंतरराष्ट्रीय दबाव के ज़रिए भारत पर कूटनीतिक दबाव बनाना चाहता है।

आर्थिक समीकरण और रणनीतिक लाभ

भारत की तेज़ आर्थिक प्रगति ने पाकिस्तान को क्षेत्रीय समीकरणों में हाशिए पर डाल दिया है। 1990 के दशक से भारत का निरंतर बढ़ता हुआ जीडीपी न केवल उसे वैश्विक आर्थिक शक्ति बना रहा है, बल्कि इसने पाकिस्तान की सैन्य दुस्साहसिकताओं की प्रभावशीलता को भी सीमित कर दिया है। पाकिस्तान में बार-बार सत्ता में आए सेना समर्थित शासन और आतंक के समर्थन ने उसकी अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। चीन के साथ किया गया 'फाउस्टियन समझौता', जिसमें आर्थिक सहायता के बदले सुरक्षा वचन देना पड़ा, यह दिखाता है कि पाकिस्तान अब एक स्वायत्त राष्ट्र के बजाय एक गहरे कर्ज़ में डूबा हुआ भू-राजनीतिक उपकरण बनता जा रहा है। इसके विपरीत, भारत ने चीन और अमेरिका दोनों के साथ संतुलित आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं। दिल्ली की 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति इसे उस स्थिति में रखती है जहाँ वह दोनों शक्तियों से अपने हितों के अनुरूप लाभ ले सकता है।

सैन्य सुधार और खुफिया तंत्र की मजबूती

भारत को यदि पाकिस्तान और चीन जैसे दोहरे मोर्चे पर प्रभावी ढंग से सामना करना है, तो उसे अपने सैन्य ढांचे की समीक्षा करनी होगी। कारगिल युद्ध के बाद गठित कारगिल समीक्षा समिति (KRC) ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे, जैसे कि इंटेलिजेंस एजेंसियों का समन्वय, सीमा पर निगरानी व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण आदि। किंतु आज, जब भारत ने 2016, 2019 और 2025 में पाकिस्तान के साथ और 2017 व 2020 में चीन के साथ सैन्य संकटों का सामना किया है, तो यह आवश्यक हो गया है कि एक नई समीक्षा की जाए। खुफिया तंत्र की मज़बूती, आधुनिक हथियारों में निवेश, और सशस्त्र सेनाओं के बीच तकनीकी व रणनीतिक समन्वय को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

राष्ट्रीय एकता : भारत की सबसे बड़ी ताक़त

22 अप्रैल की दुखद घटनाओं और उसके बाद की सैन्य कार्रवाई के बीच, भारतीय समाज में दिखी एकता एक बड़ी उपलब्धि रही है। राजनीतिक दलों, सामाजिक समूहों और आम नागरिकों ने एक स्वर में सरकार के निर्णयों का समर्थन किया। यह एकता ही वह शक्ति है जो आतंकवादियों और उनके समर्थकों के मनसूबों को असफल करती है। भारत जैसे विविधता से भरे देश में यह एकता असाधारण है, और इसे बनाए रखने के लिए राजनीतिक वर्ग और नागरिक समाज को निरंतर प्रयासरत रहना होगा। भारत की प्राथमिकताएं अब भी आर्थिक प्रगति, तकनीकी नवाचार, रक्षा आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में केंद्रित हैं। ऐसे में किसी भी बाहरी टकराव को इन लक्ष्यों से भटकने नहीं देना चाहिए।

भारत की भू-राजनीतिक स्थिति और वैश्विक कूटनीति

आज का भारत केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन का एक प्रमुख स्तंभ बन चुका है। अमेरिका, रूस, यूरोप और मध्य-पूर्व की शक्तियाँ भारत के साथ घनिष्ठ संबंध चाहती हैं। ऐसे में भारत को न केवल पाकिस्तान जैसे 'रोगग्रस्त राज्य' से निपटना है, बल्कि अपनी वैश्विक भूमिका को भी और स्पष्टता से परिभाषित करना होगा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं की सोशल मीडिया टिप्पणियाँ महज़ तमाशा हैं; भारत की विदेश नीति अब इन बातों से प्रभावित नहीं होती। दिल्ली की स्पष्ट शर्तें हैं–आतंकवाद का खात्मा, लोकतांत्रिक व्यवस्था का सम्मान, और द्विपक्षीय संवाद की नीति। यदि पाकिस्तान इन शर्तों को मानता है, तभी कोई सार्थक बातचीत संभव है।

सूचना युद्ध और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ : युद्ध का अदृश्य मोर्चा

आज के युग में युद्ध केवल सीमा पर बंदूकें चलाने तक सीमित नहीं है। सूचना का उपयोग कर विरोधी देश की जनता, सैनिकों और नेतृत्व की मानसिकता को प्रभावित करने का जो प्रयास किया जाता है, उसे सूचना युद्ध या इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर कहते हैं। भारत और पाकिस्तान के संबंधों में यह एक ऐसा छिपा हुआ मोर्चा है, जहाँ बिना पारंपरिक युद्ध के भी राष्ट्रों की नीति, धारणा और वैश्विक छवि को गहराई से प्रभावित किया जा सकता है। पाकिस्तान की एजेंसियाँ लंबे समय से सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स, फर्जी वेबसाइट्स और 'बॉट नेटवर्क्स' के ज़रिए भारत के खिलाफ झूठे नैरेटिव फैलाने का प्रयास करती रही हैं। इनका उद्देश्य भारत की आंतरिक सामाजिक संरचना में दरार डालना, धार्मिक उन्माद फैलाना और राष्ट्रवाद को बदनाम करना रहा है। इसके लिए भारत को अब एक दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें साइबर सुरक्षा, फैक्ट-चेकिंग नेटवर्क, सार्वजनिक कूटनीति (Public Diplomacy) और जन मानस की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना शामिल हो। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को यह उजागर करना चाहिए कि पाकिस्तान कैसे आतंकवाद और प्रचार तंत्र के समन्वय से विश्व शांति को खतरे में डाल रहा है।

भारत-पाकिस्तान संबंधों में जल कूटनीति की भूमिका

भारत और पाकिस्तान के बीच इंडस वॉटर ट्रीटी (सिंधु जल संधि), जो 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई थी, अब एक नए भू-राजनीतिक संदर्भ में पुनः विचारणीय हो गई है। इस संधि के तहत, भारत ने दशकों तक प्रतिबद्धता निभाई है, यहां तक कि तब भी जब पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित करता रहा। हालांकि, हाल के वर्षों में भारत ने इस संधि को लेकर अपने रुख में परिवर्तन के संकेत दिए हैं। विशेष रूप से जब पाकिस्तान ने बार-बार आतंकवाद को बढ़ावा दिया, तब भारत सरकार ने 'पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते' जैसे बयान देकर यह संकेत दिया कि सिंधु जल संधि को कूटनीतिक दबाव के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस संधि को अस्थायी तौर पर स्थगित रखना भारत की एक निर्णायक रणनीति के रूप में देखा गया। जल कूटनीति का यह पहलू भारत को एक नैतिक और वैधानिक बढ़त देता है, क्योंकि संधि के तहत भारत को इन नदियों पर सीमित नियंत्रण पहले से प्राप्त है। यदि पाकिस्तान युद्ध या आतंकवाद का मार्ग चुनता है, तो भारत के पास यह विकल्प रहता है कि वह जल-प्रवाह को नियंत्रित कर वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की अस्थिरता को उजागर करे, वो भी बिना युद्ध के।

भविष्य की दिशा : युद्ध नहीं, विवेक और विकास

भारत और पाकिस्तान के संबंधों का भविष्य न तो केवल युद्ध में छिपा है, न ही केवल कूटनीतिक वार्ताओं में। असली समाधान एक स्थायी, समावेशी और विवेकपूर्ण नीति में है, जो दोनों देशों को शांति की दिशा में ले जाए। भारत को जहां अपने सुरक्षा ढांचे को सशक्त बनाना है, वहीं पाकिस्तान को भी यह समझना होगा कि सैन्य तंत्र और आतंकवाद के सहारे न तो आर्थिक स्थिरता संभव है और न ही अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति। यदि पाकिस्तान वास्तव में एक लोकतांत्रिक और समृद्ध राष्ट्र बनना चाहता है, तो उसे अपनी सेना के अतिरिक्त-संवैधानिक अधिकारों को समाप्त कर, आतंक के तंत्र को तोड़ना होगा।

भारत-पाक संबंधों की यह यात्रा केवल दो राष्ट्रों की कथा नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के भविष्य का निर्धारण करने वाली कहानी है। भारत ने जिस 'नई सामान्य स्थिति' की परिभाषा गढ़ी है, आतंक के हर कृत्य को युद्ध की तरह लेना और प्रतिकार करना, वह अब केवल सैन्य नीति नहीं, बल्कि क्षेत्रीय नीति का आधार बन चुकी है। भारत की रणनीति अब प्रतिक्रियावादी नहीं, बल्कि निर्णायक है। यह आत्मरक्षा के अधिकार की पुनर्परिभाषा है। इस नए युग में, भारत को अपनी आंतरिक एकता बनाए रखनी होगी, आर्थिक वृद्धि को गति देनी होगी, और कूटनीतिक मोर्चे पर विवेकपूर्वक आगे बढ़ना होगा। पाकिस्तान यदि वास्तव में शांति चाहता है, तो उसे इस नई परिभाषा को समझना और स्वीकार करना होगा, वरना इतिहास उसे उसी गर्त में ले जाएगा जहाँ से वह बार-बार बाहर आने की कोशिश करता है, पर विफल रहता है।

जल विरासत

राजेन्द्र जोशी
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

पूर्वजों की शानदार, जानदार, पानीदार रचना

सम्पूर्ण विश्व मे जल की अपनी महत्ता है, बिना जल के किसी प्राणी के जीवन की कल्पना नही की जा सकती,प्राणवान में मनुष्यों,पशु पक्षियों के साथ पेड़,पौधे व फसले भी शामिल है, आज विश्वभर में जलसंकट का खतरा मंडरा रहा है,तो हमे अपने इतिहास और पूर्वजो को देखना होगा,उन्होंने पानी के लिये इतनी शानदार जानदार और पानीदार रचना की जो आज भी अस्तित्व में होकर आमजन के उपयोग में आ रही है,सालो पहले पानी तक पहुंच के लिये रास्ते बनाये गये, साधनों और सुविधा के चलते सीढिया बनाई गई जिसे विश्वपटल पर स्टेपवेल के नाम से जाना गया,क्षेत्र के अनुसार आम बोलचाल की भाषा मे वाव, वावड़ी,बावड़ी कहलाई गई,बावडिया एक मंजिल से लेकर सात मंजिल तक बनाई गई है,जिसमे पथिक जलपान एवं आराम भी कर सकता है,राजशाही के समय की इन बावडियों में गुप्त सुरंग व रास्ते भी बने हुए है।

भारत मे बावड़ियों का उन्नत इतिहास रहा है जब 'रानी की वाव' पाटन का ज़िक्र होता है,तो कहा जाता है कि 'वाव में वाव रानी की वाव बाकी सब वावड़िया',जी हाँ जब बावड़ियों की बात होती है तो उत्तर गुजरात के पाटन में स्थित रानी की वाव पहले नम्बर पर आती है। अपनी बनावट,नक्काशी और विशालता के चलते इसे यूनेस्को ने अपने संरक्षित स्मारकों में स्थान दिया है तो भारतीय रिजर्व बैंक ने सौ रुपये के नोट पर इसके चित्र को स्थान दिया,इसी के बगल वाले जिले बनासकांठा के पालनपुर में 8 वी शताब्दी की वाव है जिसे मिठ्ठी वाव के नाम से जाना जाता है।

रानी की वाव - पाटण को पहले 'अन्हिलपुर' के नाम से जाना जाता था, जो गुजरात की पूर्व राजधानी थी। कहते हैं कि रानी की वाव (बावड़ी) वर्ष 1063 में सोलंकी शासन के राजा भीमदेव प्रथम की प्रेमिल स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने बनवाया था। सीढ़ी युक्त बावड़ी में कभी सरस्वती नदी के जल के कारण गाद भर गया था। यह वाव 64 मीटर लंबा, 20 मीटर चौड़ा तथा 27 मीटर गहरा है। यह भारत में अपनी तरह का अनूठा वाव है। वाव के खंभे सोलंकी वंश और उनके वास्तुकला के चमत्कार के समय में ले जाते हैं। वाव की दीवारों और स्तंभों पर अधिकांश नक्काशियां, राम, वामन, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि, आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं। सात मंजिला यह वाव मारू-गुर्जर शैली का साक्ष्य है। ये करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी। इसे भारतीय पुरातत्व सर्वे ने वापस खोजा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सायआर्क और स्कॉटिस टेन के सहयोग से वाव के दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन भी कर लिया है।

मिठ्ठी वाव - मीठी वाव भारत के गुजरात के बनासकांठा जिले के पालनपुर शहर में स्थित है, इसे शहर में परमार शासन का एकमात्र जीवित स्मारक माना जाता है । इसका निर्माण 8 वीं शताब्दी के आसपास हुआ था। यह पालनपुर के तीन बत्ती क्षेत्र में स्थित है, कभी पाँच मंजिला रही यह बावड़ी अब मात्र तल मंजिल तक रह गई है.वाव में पश्चिम से प्रवेश किया जा सकता है। इसकी स्थापत्य शैली के आधार पर, यह माना जाता है कि इसका निर्माण मध्यकाल के अंत में हुआ होगा, लेकिन दीवारों में टँकीट मूर्तियाँ पहले के काल की हो सकती हैं। मूर्तियों में गणेश, शिव, अप्सराएँ, नृत्य करती आकृतियाँ, पूजा करने वाले जोड़े और पुष्प या ज्यामितीय पैटर्न शामिल हैं। बाईं दीवार में लगी एक मूर्ति पर पाया गया एक घिसा हुआ शिलालेख स्पष्ट रूप से पढ़ा नहीं जा सकता है। मप्र पुरातत्व संचालनालय ने प्रदेश के 20 से अधिक जिलों की 80 बावड़ियों को पुनर्जीवित करने के लिए चिह्नित किया है। इसमें धार के किले में स्थित परमार कालीन बावड़ी सबसे पुरानी है। इसके अलावा 11वीं शताब्दी में भोपाल के पास स्थित समसगढ़ की बावड़ियां हैं। वहीं ग्वालियर की जौहर कुंड बावड़ी भी 11वीं शताब्दी में बनाई गई थी। इसके अलावा 15वीं शताब्दी में बनी चंदेरी की भी एक दर्जन से अधिक बावड़ियों को इसमें शामिल किया गया है। मांडू की चम्पा बावड़ी, बड़वानी के नजदीक 1857 के क्रांतिकारी आदिवासी योद्धा योद्धा भीमा नायक की 04 बावडिया, भीमा नायक ने अपने जीचन काल में धाबाबावडी में 4 बावडियो का निर्माण करवाया था,जो कि क्रमशः धाबाबावडी,दमडी बावडी,झाला बावडी और गुफा बावडी के नाम से जान जाती है,आज धाबाबावडी और झाला बावडी में पानी है जबकि दमडी बावडी मिटटी गाद से भर गई है,वही गुफा बावडी जंगलो के बीच विलुप्त है। बड़वानी जिले के जलगोन में स्थित तीन ताल की बावड़ियों के अतिरिक्त कई नगरों कस्बो में बावडिया स्थित है, विगत 2 वर्षो से मप्र सरकार जल गंगा संवर्धन अभियान नाम से सतही जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार एवं गहरीकरण करवा रही है,आने वाले समय मे हमे और कई बावडियों की जानकारी हो सकती है।

बावड़ियां किसे कहते -- बावडिया या वाव कुएं का वह रूप है जिसमे पानी तक पंहुचने के लिये सिढीया होती है,जिसे अंग्रेजी में स्टेपवेल भी कहां जाता है,भारत में बावडियो को इतिहास मोहन जोदडो और धोलावीरा के समय से प्रकाश में आया है। गुजरात राज्य में बावडियो या वाव का इतिहास 600 ईस्वी के आसपास किया गया था,यहां पर इनकी अनुमानित संख्या 125 से अधिक हो सकती है।गुजरात के बाद राजस्थान और उत्तर पष्चिम में इनके निर्माण होने का विवरण मिलता है,मप्र के अनेक स्थानों पर बावडिया है,कई आज भी सुरक्षित है तो कई बावड़िया जमीदोज हो गई या कर दी गई है।

सबसे पुरानी बावड़ियां

गुजरात के राजकोट जिले के ढांक में सबसे पुरानी बावड़ियाँ पाई गई हैं ये चालुक्य काल से पहले की बताई जाती हैं। एलेच पहाड़ियों में बोचावडी नेस के पास बोचावडी बावड़ी ढांक में दो अन्य बावड़ियों से थोड़ी पुरानी है। ये झिल्लानी बावड़ी हैं जो 600 ई. की हैं और मंजुश्री बावड़ी जो सौराष्ट्र शैली की वास्तुकला के आधार पर सातवीं शताब्दी की शुरुआत की हैं

बावड़ियों का अस्तित्व मोटर पम्पों ने लील लिया

अंग्रेजी राज के दौरान 1860 मे इसकी शुरुआत हुई, जब अहमदाबाद के इसनपुर में सिंचाई के लिये जेठाभाई की बावड़ी बनकर तैयार हुई,वही वाकनेर राजमहल परिसर की बावड़ी का निर्माण 1930 में तत्कालीन राजपरिवार के लिये किया गया था, इसमे में भी पानी की सप्लाय हेतु मोटर पम्प प्रणाली उपयोग में लाई गई। कहते है सफेद बलुआ पत्थर का यह आखरी स्मारक है,यह महल परिसर देश का पहला हेरिटेज होटल है जो अब रॉयल आयसिस के नाम से जाना जाता है।

जब राष्ट्र की आत्मा बोली और नेतृत्व ने उत्तर दिया

ऑपरेशन सिंदूर

सचिन सिंह परिहार
लेखक राष्ट्रीय कराते खिलाड़ी हैं।

22 अप्रैल को जब पहलगाम की घाटी में निहत्थे निर्दोषों की जान ली गई, तब राष्ट्र केवल घायल नहीं हुआ–वह भीतर तक झकझोर उठा। उस हमले की नृशंसता, जिसमें धार्मिक पहचान पूछकर हत्या की गई, केवल एक आतंकी कार्रवाई नहीं थी; यह भारत की सामाजिक समरसता, सहिष्णुता और सांस्कृतिक आत्मा पर सीधा आघात था। और ठीक इसी बिंदु पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद राष्ट्र को संबोधित भाषण,एक साधारण वक्तव्य नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक मोड़ बन गया। यह भाषण न तो क्रोध में दिया गया था, न ही केवल कूटनीतिक संकेत था। यह एक परिपक्व, संतुलित और स्पष्ट नीति की घोषणा थी–एक ऐसा विचार-प्रधान उत्तर जिसमें भावुकता भी थी, रणनीति भी, और सांस्कृतिक संकल्प भी।

प्रधानमंत्री का यह कहना कि 'हम अब पीड़ा नहीं सहेंगे, उसका उत्तर देंगे', कोई सामान्य राजनीतिक बयान नहीं था। यह भारत की दशकों पुरानी 'रणनीतिक संयम' की नीति के अंत की औपचारिक उद्घोषणा थी। 1990 के बाद से भारत बार-बार आतंक का शिकार बनता रहा, और विश्व समुदाय से 'संयम' की अपेक्षा करता रहा। लेकिन अब भारत कह रहा है–'संयम तब तक, जब तक आत्मा सुरक्षित है। उसके बाद, प्रतिकार अपरिहार्य है।'

इस ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' रखना केवल एक सैन्य कोडवर्ड नहीं था। यह नाम भारत की उस सांस्कृतिक स्मृति से जुड़ा है, जो आक्रमण के विरुद्ध भावनात्मक और आध्यात्मिक संकल्प से प्रेरित होती है। सिंदूर केवल एक श्रृंगार नहीं, बल्कि एक स्त्री की गरिमा, सुरक्षा और परिवार की अखंडता का प्रतीक है। इस प्रतीक को चुनकर सरकार ने यह संकेत दिया कि आतंकवाद अब केवल भौतिक हिंसा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक युद्ध है–और इसका उत्तर भी उसी स्तर पर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने भाषण में 'मेड इन इंडिया' रक्षा तकनीक की सफलता को रेखांकित किया–ड्रोन, एआई निगरानी, स्मार्ट मिसाइलें। यह वक्तव्य केवल आत्मनिर्भर भारत के पोस्टर नहीं थे, बल्कि उनकी कार्य-क्षमता का प्रमाण थे। यह भारत की रक्षा नीति के उस बदलाव का हिस्सा है जिसमें हम न केवल रक्षा खरीद में आत्मनिर्भर हो रहे हैं, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ रहे हैं–जिसमें निर्णायक क्षमताएं, तकनीकी निर्भरता से मुक्त होकर, आत्मनिर्भर सामर्थ्य में बदलती हैं।

भाषण की सबसे गूढ़ बात यह थी कि यह बुद्ध पूर्णिमा के दिन दिया गया। यह संयोग नहीं, सन्देश था–भारत अब अपने ऐतिहासिक शांति-दूतों की परंपरा को निभाते हुए यह कह रहा है कि 'अहिंसा परमो धर्मः' तभी संभव है जब 'शौर्यमेव जयते' की क्षमता हो। भारत अब दया और शक्ति के द्वंद्व को नहीं, संतुलन को अपना मार्गदर्शक बना रहा है।

यह भाषण आने वाले वर्षों में भारत की सुरक्षा और विदेश नीति की नींव बन सकता है, बशर्ते इसे केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया न समझा जाए। लेकिन इसके साथ कुछ अनसुलझे प्रश्न भी उठते हैं-

क्या यह नीति बदलाव सतत रूप से लागू रह पाएगा? क्या भारत इस बदलाव के वैश्विक दबावों का सामना कर सकेगा? क्या हमारे रक्षा ढांचे और कूटनीतिक तंत्र में यह दृढ़ता बनी रहेगी?

'ऑपरेशन सिंदूर' और प्रधानमंत्री का संबोधन केवल सैन्य घटना और भाषण नहीं थे; वे भारत के बदलते मनोबल और नीतिगत आत्मविश्वास के संकेत हैं। यह वही भारत है जो अब आँसू नहीं, उत्तर देता है; जो सांस्कृतिक प्रतीकों से प्रेरणा लेकर, तकनीक से संचालन कर, और नीति से दिशा तय करता है।

यह भाषण आने वाले वर्षों तक याद रखा जाएगा–एक ऐसे मोड़ के रूप में जहाँ राष्ट्र ने अपने आँसुओं को निर्णय में, और पीड़ा को पराक्रम में बदला।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

केदार शर्मा

अमुकचंद की अपशब्द साधना

एक हैं अमुकचंद, जो लाउडस्पीकर पर देवी माँ को माता-पिता, भगिनि-बंधु बताकर करुण स्वर में रोज पुकारते हैं।''

ये वे ही अमुकचंद हैं, जो दिन-भर अपने कार्यस्थल पर किसी काल्पनिक बंदे की माँ बहिन और बेटी को यानि नारी जाति को इंगित कर अपशब्दों की बौछार करते रहते हैं। उनके मुख तरकश से अश्लीलता के अलंकारों से तरबतर तकियाकलाम युक्त कुवचन प्रक्षेपित होते रहते हैं।

ऐसी बरसात, जब वे क्रोध में होते हैं तो मूसलाधार और जब वे मौज में खोते हैं तो रिमझिम रिमझिम होती है।

यह एक वाणी की सिद्धि है जो लंबे समय तक सहज भाव से बेरोकटोक ऐसे कुवचन बोलते रहने से सिद्ध होने लगती है। यह सिद्धि साधक के अवचेतन में समा जाती है।

सिद्ध होने के बाद यह साधक को फल देने लगती है। क्रोध धारदार बनता है। सच्ची मर्दानगी झलकती है। रोब झलकता है। लोग उससे संभलकर बोलते हैं। बचने का प्रयास करते हैं। आम आदमी इस सिद्धि को उसकी निजी संपत्ति मानकर तटस्थ रहते हैं। यह सोचकर कि कोई हमारे बारे में थोड़े ही बोल रहा हे, किसी एक्स स्त्री या उसकी देह के बारे में बोल रहा है।

हाँ, कोई अमुकचंद पर भेदभाव का आरोप लगा सकता है कि वह सामान्य माँ - बहिनों को इंगित कर अपशब्द बोलता है परंतु देवी माँ को इंगित? कर उनकी स्तुति गान करता है।

हमे समझना चाहिए कि अमुकचंद को किसी बुद्धिमान कुत्ते ने नहीं काटा है, जो शेर पर सवार ओर हाथ में तलवार लिए देवी माँ के सामने कोई अपशब्द बोलकर अपनी नेकनीयती पर बट्टा लगाएगा। वह तो देवी माँ के आशीर्वाद का रेगुलर ग्राहक हैं।

अमुकचंद हो या सम्मुखचंद, ऐसे लोग देवी माँ के सामने तो 'गऊ ' होते हैं। मनुष्य और उसमें भी पुरुष होने का यही तो असली फायदा है कि वह अश्लील अपशब्दों की मार से खुद की माँ - बहिनों को बचा सकता है, पर दूसरों की माँ - बहिनों के बारे में अधिक दिमाग लगाने की जरूरत नहीं समझ सकता।

बेचारे ऐसे साधकों की सिद्धि की इस निष्ठु र संसार में कोई कद्र नहीं है। होना तो यह चाहिए था कि हर मनुष्य के चरित्र का अंकन हो। अंकन के आधार पर मूल्याकंन हो। इस मूल्याकंन के आधार पर चरित्र की श्रैणियाँ बने, जैसे रक्त की श्रैणियाँ होती है। ए, ए प्लस, बी, सी, डी आदि में ग्रेडिंग हो। यह श्रैणी उस संबधित व्यक्ति की पहचान बने। यह पहचान जरूरी दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड आदि के साथ जुड़े। तब जाकर आदमी जानेगा कि चरित्र भी कोई चीज होती है।

उदाहरण के लिए अमुकचंद को कुवचनों की सिद्धि के पाँच अंक, पुस्तकों से परहेज रखने के पाँच अंक, जीवन में एक भी पौधा नहीं लगाने के पूरे में से पूरे अंक दिए दिए जाए। अंकों के योग के आधार पर अमुकचंद को ''ए प्लस'' ग्रेड दी जाए, जिसका जरूरी दस्तावेजों में अमिट अक्षरों में अनिवार्य अंकन हो। रोजगार, विवाह और सामाजिक पहचान आदि में ये ग्रेड अनिवार्य रूप से देखी जाए।

सिद्ध गालीबाजों के लिए कुछ विशेष अलंकरण भी शुरु करवाए सकते थे, जैसे गाली सम्राट, गालीश्री, अपशब्द रत्न, कुवचन भूषण आदि-आदि।

विशेष क्षेत्रों में जैसे - ग्लेमरस टीवी शो, स्टेंडिंग कॉमेडी शो के कार्यक्रम, लुगदी साहित्य लेखन एवं कुछ विशेष फिल्मों आदि में ऐसे लोगों के चयन को प्राथमिकता दी जाए ताकि घटते पाठकों और बोर होते दर्शकों में इनका कौशल जान फूँक सके। आखिर ऐसे लोग इस अपसंस्कृति को पीढ़ी दर पीढ़ी पहुँचाने का काम करते है, ताकि मशहूर शायर मेहंदी नजमी जैसों को यह न कहना पड़े कि 'जो भी गाली थी, बच्चों की जुबां तक पहुँची, आपके शहर में तालीम कहाँ तक पहुँची।'

गालियों का क्षैत्र निरापद है कोई माई का लाल एतराज नहीं करता है। करे भी कैसे ? जवाब हाजिर है - 'किसी का नाम थोड़े ही लिया है?' ''आखिर जबान हमारी है।' 'हमारी तो आदत है जी, मुहँ से निकल जाता है, पता ही नहीं चलता।'

हालांकि इस क्षेत्र पर धीरे - धीरे खतरा मंडराता जा रहा है। कुछ और सभ्यकता के हिमायती लोग अंगुलियाँ उठाने लगे हैं। परंतु अमुकचंद इसलिए भी निश्चिंत है कि किसी संप्रदाय, जाति, वंश को लक्षित कर अपमान करने पर तो कई बार बबाल मचता रहा है पर स्त्रीजाति और उसकी देह को लक्षित कर बोले जाने वाले आम तकियाकलामों पर कभी कोई बबाल शायद ही मचा हो। यह तो हर कहीं हर किसी को हर किसी से सुनने को मिल जाते हें।

बातचीत : रोनू मजूमदार

दिनेश पाठक

(वरिष्ठ पत्रकार और कला समीक्षक)

पद्म सम्मान मेरे जीवन में टॉनिक की तरह

पद्म पुरस्कारों के लिए कलाकार की परफॉर्मेंस अच्छी होना ही एकमात्र 'क्राइटेरिया' नहीं होना चाहिए। उसका ओवरऑल कंट्रीब्यूशन उसकी कला में क्या है यह महत्वपूर्ण है। जब तक आप अपनी विधा में कुछ नया नहीं करते, उसे प्रमोट करने के लिए आपका विशेष योगदान नहीं होता तब तक आपको किसी अवॉर्ड की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। पद्मश्री से अलंकृत प्रख्यात बांसुरी वादक रोनू मजूमदार से बातचीत।

सर्वप्रथम पद्मश्री सम्मान प्राप्त होने पर आपकी प्रतिक्रिया जानना चाहूंगा?

पद्मश्री सम्मान मिलना, मैं ईश्वर की कृपा मानता हूं और फिर गुरु एवं माता पिता का आशीर्वाद। कई लोगों ने मुझे कहा कि ये तो आपको बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। लेकिन, मेरा मानना है कि 'इट इज नेवर टू लेट'... सरकार के पास और भी कई जरूरी काम होते हैं और कई कार्य क्षेत्र हैं। इन व्यस्तताओं के बीच कभी कभी किसी की प्रतिभा को आंकने में अगर देर हो जाती है तो उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वैसे भी कहते हैं देर आयद दुरुस्त आयद। मेरे प्रोफेशनल जीवन में यह सम्मान एक टॉनिक की तरह है और इससे मेरी ज़िम्मेदारी और बढ़ गई।

बांसुरी ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया कि मध्यप्रदेश शासन ने तानसेन समारोह शताब्दी वर्ष के आयोजन में गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए एक हज़ार वादकों की प्रस्तुति 'संवेद' प्रस्तुत करने के लिए मुझे हज़ारों म्यूजिशियन में से चुना। क्योंकि, उन्हें पता था कि ऐसा 'सिम्फ़नी' में ही कंडक्ट कर सकता हूं- यह क्या किसी पद्मश्री से कम है?

- आपने सिम्फ़नी की बात की, ऑर्केस्ट्रा वर्क जो आप कर रहे हैं या जो पहले पंडित रविशंकर ने किया उसकी तरफ कम शास्त्रीय संगीतज्ञ ही बढ़ते हैं, इसका क्या कारण है? क्या यह कठिन होता है या लोगों का यह मानना है कि इससे उनके शास्त्रीय संगीत पर पाश्चात्य प्रभाव पड़ सकता है?

देखिए, कई लोग तो जुगलबंदी करने से भी डरते हैं मैंने खुद अश्विनी भिड़े देशपांडे से जुगलबंदी करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कह दिया दादा माफ करना अभी मैं अभी मानसिक रूप से तैयार नहीं हूं। मुझे भारतीय संगीतज्ञों से यही शिकायत है कि वे कुछ नया करने के लिए तैयार ही नहीं होते। भाई आप अच्छा गा रहे हैं तो क्या? बहुत से लोगों ने एक से बढ़कर एक गाया और चले गए। आपको कोई अवॉर्ड तब ही तो दिया जाएगा, जब आप कुछ नया करके दिखाएंगे, भारत रत्न तो तभी कहलाएंगे जब भारत के लिए कुछ विशेष कर के दिखाएंगे।

परफॉर्मिंग आर्ट्स के मामले में किसी कलाकार की प्रतिभा का आकलन इस दृष्टिकोण से करना कि यह कलाकार पद्मश्री के योग्य हैं अथवा पद्मभूषण के, क्या कठिन नहीं है, आप क्या सोचते हैं?

इसके लिए कलाकार की परफॉर्मेंस अच्छी होना ही एकमात्र 'क्राइटेरिया' नहीं होना चाहिए। इसमें उसका ओवरऑल योगदान क्या है यह महत्वपूर्ण है। जब तक आप उस साज़ में कुछ नया नहीं करते, आपका उसे प्रमोट करने के लिए विशेष योगदान नहीं होता तब तक आपको किसी अवॉर्ड की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

मैं आपके माध्यम से यह भी कहना चाहूंगा कि इस बार भी जब मैंने पद्म पुरस्कार सूची में वरिष्ठ तबला वादक पंडित कुमार बोस का नाम नहीं देखा तो मुझे बहुत दुख हुआ। मुझे लगा कि वो 70 वर्ष से अधिक आयु के हो चुके हैं और तबले के लिए उनका बहुत बड़ा योगदान भी है। उन्होंने तबले के बनारस अंग के साथ दूसरे घरानों के मेल से एक विशेष शैली विकसित की। दुःख तब और भी होता है जब उनसे जूनियर तबला वादक को अवॉर्ड मिल जाता है, उन्हें तो बीस साल पहले अवार्ड मिल जाना चाहिए था। तो मेरा सरकार से कहना है कि अब तो उन्हें सीधे पद्मभूषण मिलना चाहिए, इसे हमारा विनम्र सुझाव समझिए।

- आपके पिता जी चिकित्सक थे परिवार में कोई संगीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी, तो आपको इस क्षेत्र में स्वयं को स्थापित करने में कोई कठिनाई नहीं हुई?

एक गैर संगीतज्ञ परिवार से होने के कारण मुझे शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में खुद को स्थापित करने के लिए बढ़ा संघर्ष करना पड़ा। आजकल जिसे 'नेपोटिज्म' कहते हैं वह संगीत के क्षेत्र में भी एक तरह से हमेशा रहा है। हालांकि, 1980 तक फिल्म लाइन में मेरा काफी काम होने लगा था और इनकम भी ठीक ठाक हो रही थी। मुझे वहां से जो आय होती थी वो मैं क्लासिकल में खुद को 'एस्टेब्लिश' करने में लगाने लगा। कैसेट का जमाना था मैं कैसेट लेकर ऑर्गनाइजरों के चक्कर लगाता था। यानी हॉल बुक करने से लेकर टिकट परचेज और संगतकारों को भुगतान करने तक सब कुछ मैं अपनी ओर से कर रहा था और फ्री में बजा भी रहा था। इतना सब करने के बावजूद एक बड़े कलाकार बनारसी में कह ही गए 'अच्छा बजावत हो पर खानदानी नहीं हो यार' मुझे इतना दुख हुआ कि बता नहीं सकता।

लेकिन, 1981 में दैवयोग से पंडित रविशंकर जी ने मुझे अपने आर्केस्ट्रा में शामिल कर लिया बांसुरी वादक के रूप में और एशियाई खेलों का जो स्वागत गीत बनाया, स्वागतम् अथ स्वागतम्। उसमें मुझसे बांसुरी बजवाई। उसी वर्ष मैं ऑल इंडिया रेडियो की राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता में भी प्रथम आया। बस यहीं से बात बनने लगी। उस्ताद ज़ाकिर हुसैन के छोटे भाई तौकीफ़ कॉलेज के ज़माने से मेरे मित्र रहे हैं और उनके पूरे परिवार के साथ मेरे बड़े करीबी संबंध हैं। 1996 में मैंने जाकिर भाई के साथ एक जुगलबंदी एल्बम तैयार किया 'हार्ट टू हार्ट' जो लाखों में बिका और मेरी पॉपुलैरिटी भी बहुत बढ़ गई। मेरा भुगतान भी जो पहले हजारों में हुआ करता था वो लाखों में पहुंच गया। बस उसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पुस्तक समीक्षा

सुरेश उपाध्याय

समीक्षक

अंधेरे के खिलाफ हस्तक्षेप करती कविताएं

'नकारती हूँ निर्वासन' डॉ. प्रभा मुजुमदार का बोधि प्रकाशन, जयपुर से हाल ही में प्रकाशित कविता संग्रह है. इसके पूर्व उनके चार कविता संग्रह- 'अपने अपने आकाश', 'तलाशती हूँ जमीन', 'अपने हस्तिनापुरो में' तथा 'सिर्फ स्थगित होते हैं युद्ध' प्रकाशित हुए हैं. 67 कविताओ के इस संग्रह का केनवास व्यापक व विविधता भरा है. अपने समय से साक्षात्कार कराती इन कविताओं में कवि प्रखरता व मुखरता से सार्थक व गम्भीर हस्तक्षेप करती है. जनजीवन में बाजार के गहराते प्रभाव, पर्यावरण के क्षरण, युद्ध व युद्धोन्माद की प्रवृत्ति, इतिहास के अंत की घोषणा, इतिहास को अपने अनुकूल बदलने की आकांक्षाओ, इतिहास के बदले वर्तमान में भुनाने की ललक व उसके पीछे छुपी आकांक्षाओं, सभ्यताओं के संघर्ष, स्त्री की गरिमा, सामाजिक विद्वेष, बढती हिंसा / नफरत / तानाशाही तथा देश व दुनिया में पसरती मनुष्य विरोधी प्रवृत्तियो को इन कविताओं के केंद्र में देखा जा सकता है. स्थानांतरण के अपने व्यक्तिगत अनुभवो को कवि ने अपनी चार कविताओ के माध्यम से बेतरतीब विकास, अंधाधुंध शहरीकरण, महानगर बनने की होड, यंत्रवत जीवन, नौकरीपेशा व्यक्ति की भागदौड, उहापोह के बीच परिचय व पहचान के संकटो को रेखांकित किया है. नदी, एक व नदी, दो में प्रकृति, पर्यावरण, पानी के संरक्षण व संवर्धन की चिंताओ के साथ सभ्यता के उत्कर्ष व अवसान को देखा गया है.

इतिहास से सबक व साहित्य से सम्बल प्राप्त करती कवि शब्द को सबसे मारक हथियार मानती है - दुनिया के / किसी भी शस्त्रागार में नही है / शब्द से बड़ा मारक हथियार / एक छोटी सी कलम / ढहा देती है / अश्वमेघ को निकले / सम्राटों का आत्मविश्वास ------ अंधेरी कालकोठरी में / किसी न किसी रास्ते / उम्मीद की एक किरण / प्रविष्ठ हो ही जाती है / चुपके से (शब्द : एक) तथा - शब्द / तलाश रहे हैं / अपनी झुलसती क्यारियो को / बचा सकने के विकल्प (शब्दः दो). अरसे पहले पढी पुस्तको के पन्ने / फड़फड़ाते हैं मेरे इर्दिगर्द / और अवसाद के बीच / सुकून और आश्वस्ति से खिल जाती हूँ / किसी आत्मीयता के अहसास से (शब्दों की रोशनी में: एक) तथा - शब्दों की रोशनी में / सिमटने लगती है/ भय की मंडराती परछाइया / एक मनहूस सन्नाटे को / चीरता है आत्मसम्बल ------ समय एक इतिहास रच रहा है / शहंशाह के इतिहासकारों / दरबारियों के जयगान के परे / बहुत सारी आवाजें / कलमे और तुलिकाएं / रच रही है/ अपने समय का सच (शब्दों की रोशनी में ; दो).

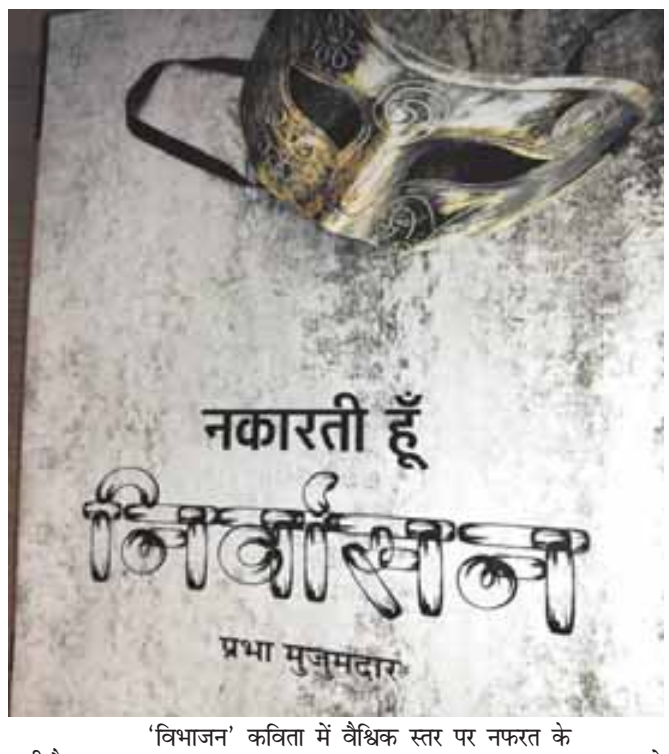

'विभाजन' कविता में वैश्विक स्तर पर नफरत के फैलाव को लेकर कवि कहती है - नफरत का सुनामी / इतिहास और भूगोल ही नहीं / धर्म, राष्ट्र और राजनीति को भी / परिभाषित करने लगता है / घोषित हो जाते हैं / अपने लोग / अपनी जमीन / रातोंरात पराए ही नही / दुश्मन भी / कुछ भी हो सकता है / नफरत का नाम / कुरुक्षेत्र से लेकर / गाजापट्टी / कन्ही भी हो सकती है / वह खूनी विभाजक रेखा.

झूठ को लेकर कवि की चिंताओ को इन पंक्तियो में देखा जा सकता है - झूठ का विज्ञान/ सत्य, शोध, प्रश्न-जिज्ञासाओ का / मखौल उडाता / स्थापित करता है / अंधविश्वासो को / वैज्ञानिक तथ्य होने का / शातिराना प्रचार कर - ---------- बाजार धर्म का हो / हथियारो का/ वोटो या नोटो का / आश्वस्त है झूठ कि सिक्का / उसी का चलेगा -------- सच से ज्यादा / सच्चे होने का / प्रमाणपत्र हासिल है उसे.

मिथकीय घटनाओं व पात्रों से वर्तमान के संदर्भो को प्रभावी तरह से जोड़ती प्रभा की कविताए महिलाओं के प्रति न्याय, समता, सम्मान व गरिमा की स्थापना की प्रबल पक्षधर आवाज है. अपने समय की भयावह प्रवृत्तियो का साहस के साथ चित्रण करते हुए कवि जन विरोधी राजनीति को एक्सपोज करती है. डर और झूठ के पसरते वातावरण तथा ट्रोल आर्मी के हमलो में कलावंतो / बुद्धिजीवियो के समर्पण से खिन्न होती है तो प्रतिरोध के स्वरों से आश्वस्त होती है.

प्रभा की कविताएं अंधेरे का सिर्फ चित्रण नहीं करती है, एक संकल्प व प्रतिबद्धता उनकी रचनाओं में उजली किरणो के प्रति साफ दिखाई देती है. हताशा व निराशा के बरक्स आशा व विश्वास उनकी रचनाओ की विशेषता है जिसे ' उम्मीदों के द्वीप ' कविता में देखा जा सकता है- जब छत पर मंडरा रहे हो / बमवर्षक विमान / और दीवारो पर तनी हो मिसाइले / सलाखो को भेदती / खून मांगते समूहो की धमकिया / तब किसी बंदिश का रियाज/ रंग बिखेरती तूलिका / शब्द रचती कलम का प्रतिकार / शीश नवाती कतारो को / कितना बौना साबित करते हैं----- अपनी तस्वीर को अपलक निहारता / एक नार्सिस्ट शहंशाह / पल भर के लिए / कांप जाता है / निहत्थे लोगों के सम्बल से ---------- और यन्ही आरम्भ होती है / इतिहास के एक निर्णायक मोड़ तक / पन्हुच सकने की सम्भावना / उभर आते हैं / उम्मीदो के असंख्य द्वीप.

प्रभा मुजुमदार का कविता संग्रह 'नकारती हूँ निर्वासन' हमारे समय के यथार्थ को चित्रित करते हुए उसके अंधेरे पक्ष के विरुद्ध सार्थक व गंभीर हस्तक्षेप करता है. यह रचनाएं उद्वेलित व प्रेरित करने की सामर्थ्य रखती है तथा पाठक इससे प्रभावित होंगे, ऐसा विश्वास है.

कविता संग्रह - नकारती हूँ निर्वासन
कवि - डॉ. प्रभा मुजुमदार
प्रकाशक - बोधि प्रकाशन, जयपुर
मूल्य - रु 275/-

डॉ. सुधीर सक्सेना

आबिद सफ़रानी ने दिया था 'जयहिंद' का नारा !

नाम आबिद हसन। पूरा नाम जैन-अल-आब्दीन हसन। निजामशाही के दौर में हैदराबाद में कुलीन घराने में पैदा हुए थे। पहले इंडियन नेशनल आर्मी में रहे और फिर भारतीय विदेश सेवा में। अदब से लगाव था। शाइरी भी करते थे। खयालात इंकलाबी थे। भगवा रंग से अनुराग था, लिहाजा तखल्लुस रखा सफ़रानी। जाने-पहचाने गये आबिद हसनसफरानी के नाम से। बिला शक आबिद हसन साहब आला दर्जे की शख्सियत थे। उन्हें अपने वतन से बेपनाह मोहब्बत थी। मादरे-वतन से मोहब्बत की रौ में उन्होंने अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई अधूरी छोड़ दी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस के निजी सचिव और आजाद हिन्द फौज में सक्रिय रहे। फिर बंदी बने और फिर राजनय में आकर मिस्र और डेनमार्क में भारत के राजदूत रहे।

मगर उनका महान और कालजयी योगदान है कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस के आदेश पर उन्होंने 'जयहिन्द का बेमिसाल नारा गढ़ा और विश्व कवि रबीन्द्रनाथ ठाकुर कृत राष्ट्रगीत का अनुवाद किया। आज जयहिन्द देश में सुरक्षा और सैन्यबलों में अभिवादन का मान्य और व्यवहृत अभिवादन है। इसके पंचाक्षरों में राष्ट्रप्रेम की भावना तरंगायित है। वह जोश, जज़्बे, समर्पण और सम्मान की अभिव्यक्ति है। नेताजी ने इसे स्वीकारा और इसके लिये अपने जाँबाज सेनानी की पीठ थपथापायी थी। यही नहीं, स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने जब मध्यरात्रि में आजादी पर भारतीय संसद में ऐतिहासिक भाषण दिया था, तो इसका उपयोग किया। भारत की प्रधानमंत्री रही, आयरन लेडी इंदिरा गांधी तो अपने भाषणों में अंत में अवाम से 'जयहिंद' का नारा लगवाती थीं। कोकिल कंठी लता मंगेशकर ने अपने गाये गीत में 'जयहिंद' को स्वर देकर इसमें प्राण फूँके थे। आज जयहिन्द की सेना का नारा आसेतु हिमाचल घर-घर गूंज रहा है और जन-जन में स्फूर्ति का संचार कर रहा है।

इसी जयहिन्द के रचयिता थे जनाब आबिद हसन। 11 अप्रैल, सन 1911 को हैदराबाद में जन्मे आबिद की माँ उपनिवेशवाद के सख्त खिलाफ थीं और पराधीनता को अनुचित मानती थीं। बालक आबिद पर मां की सीखों का खासा असर हुआ और उनके भीतर बर्तानवी हुकूमत के खिलाफ रोष धधकने लगा। उनकी प्रारंभिक शिक्षा सेंट जॉर्ज्स ग्रामर स्कूल में हुई। आगे पढ़ने की वेला आई तो माता-पिता ने अपने इंकलाबी खयालों के मद्देनजर आबिद को इंग्लैंड के बजाय जर्मनी भेजने का फैसला किया। ऐसे दौर में जब लोग अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिये विलायत भेजते थे, आबिद को जर्मनी भेजना बहुत मायने रखता है। यकीनन इसके पीछे उनके जज्बे का हाथ था।

युवा आबिद हसन जब जर्मनी में इंजीनियरिंग के छात्र थे, उन्हें नेताजी सुभाष बोस को सुनने का मौका मिला। नेताजी वहां भारतीय बंदियों के समूह को संबोधित कर रहे थे। वह ब्रिटिश सत्ता को सशस्त्र क्रांति से उखाड़ फेंकने की योजना पर भी काम कर रहे थे। उन्होंने अपनी आजाद हिन्द फौज का गठन इसी निमित्त किया था। नेताजी के ओजस्वी भाषण से आबिद बड़े प्रभावित हुये और कहा कि पढ़ाई पूरी कर वह उनके आंदोलन से जुड़ना चाहेंगे। इस पर नेताजी ने उन्हें टोका और कहा कि राष्ट्र भक्ति इंतजार नहीं करती। इसके लिये त्याग करना होता है। नेताजी की बात आबिद को लग गयी। फिर क्या था? उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़ी। और नेताजी से जुड़ गये। नेताजी ने उन्हें अपना निजी सचिव बना लिया। वह उनके दुभाषिया भी हो गए। नेताजी के जर्मनी प्रवास में आबिद उनके दुभाषिये के तौर पर सक्रिय रहे। प्रसंगवश बता दें कि आबिद शब्द का अर्थ होता है अनुयायी या उपासक। आबिद सही अर्थों में नेताजी के अनुयायी व उपासक थे। वह उनकी इंगित पर प्राण निछावर करने को तत्पर थे।

द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ चुका था। नेताजी की दृष्टि में यह ब्रिटिश सत्ता को उखाड़ फेंकने का सुनहरा मौका था। हसन नेताजी के अत्यंत विश्वास-पात्र थे। सन 1943 में नेताजी जब जर्मन यू बोट -यू 180 से दक्षिण-पूर्व एशिया की लंबी यात्रा पर गये तब आबिद उनके साथ थे। दरअसल, यू-180 एक जर्मन पनडुब्बी थी और

उससे नेताजी समुद्री मार्ग से अपने मिशन के तहत जापानी अधिकारियों से मिलने गये थे। अभियान सफल रहा। नवगठित आईएनए यानि आजाद हिन्द फौज ने सामरिक मोर्चे पर उल्लेखनीय सफलताएँ अर्जित कीं। भारत का एक हिस्सा स्वतंत्र हुआ। आबिद अब एक फौजी थे; स्वतंत्रता संग्राम सेनानी। आजाद हिन्द फौज में वह मेजर बने। यह वह दौर था, जब उन्होंने 'सफरानी' उपनाम अपनाया। उनकी नजरों में 'सैफ्रन' (भगवा) रंग द्वेष या घृणा का रंग न होकर प्रेम का पवित्र रंग था।

यह व दौर था, जब फौज में अभिवादन के लिये अनेक संबोधन प्रचलित थे। कोई राम-राम कहता था, कोई सतश्री अकाल तो कोई सलाम वालेकुम। नेताजी एकरूपता चाहते थे। हर जाति-धर्म के लिए एक ही संबोधन। उन्होंने साथियों से टकली-शब्द गढ़ने को कहा। ठाकुर यशवंत सिंह ने 'हिन्दुस्तान की जय' का सुझाव दिया, लेकिन हरफनमौला आबिद ने खरी गिन्नी सा सुनहरा शब्द पेश किया - 'जयहिन्द।' जयहिन्द सबको भा गया। नेताजी ने तुरंत सहमति दी। कहने की जरूरत नहीं कि आज यह शब्द विश्वव्यापी अहमियत रखता है।

जनाब आबिद के फन का कमाल यहीं तक सीमित नहीं है। आजादी की लड़ाई में बंकिमचन्द्र के 'वंदेमातरम्' का अतुल्य योगदान रहा, अलबत्ता धार्मिक कारणों से उस पर कुछ आपत्तियां भी आयीं। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने 'जनगणमन' लिखा और उसे कंपोज भी किया। कांग्रेस के अधिवेशनों में सामूहिक तौर पर गाया गया, लेकिन इसकी संस्कृत निष्ठता नेताजी को अखरती थी। यद्यपि कैप्टेन लक्ष्मी सहगन व अन्य इसके पक्ष में थे, लेकिन नेताजी ने आबिद से इसका सरल-सुबोध तर्जुमा करने को कहा। उन्होंने बड़ी संजीदगी और मेहनत से गीत प्रस्तुत किया- शुभ सुख चैन। नेताजी बड़े प्रसन्न हुये। उन्होंने रामसिंह ठाकुर से इसकी धुन बाँधने को कहा। एक ऐसी धुन जिसे फौजी कूच के मौके पर बजाया जा सके। रामसिंह ने ऐसा ही किया। इसे भारत के प्रोवीजनल (अनंतिम) राष्ट्रगीत के तौर पर मान्यता मिली। अंततः सन 1950 में जन गण मन को बतौर राष्ट्र गान को वैधानिक मान्यता से 'शुभ सुख चैन की बरखा बरसे का क्रम टूटा।'

विश्व युद्ध की समाप्ति पर आबिद समेत आईएनए के सैनिकों पर मुकदमा चला, जिनकी पैरवी स्वयं पं. नेहरू ने की। सन 1946 में रिहाई पैरवी के बाद वह अपने गृहनगर हैदराबाद चले आये, किंतु जल्द ही वह नवजात भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल हो गये। बतौर राजनयिक उनका करियर चमकीला रहा। वह मिस्र और डेन्मार्क में राजदूत बने। सन 1969 में सेवानिवृत्ति पर वह फिर हैदराबाद लौट आये। उनकी भतीजी सुरैया हसन ने नेताजी के भतीजे अरबिन्दो बोस से शादी की और सफल जीवन बिताया। सुरैया आबिद के बड़े भाई बदरूल हसन की बेटी थी; जिन्होंने राष्ट्रपिता गाँधी के साथ काम किया था। अंतिम बरसों में जनाब आबिद का अधिकांश समय उर्दू-फारसी कविता के साथ बीता।

जनाब आबिद हसन सफरानी अब नहीं है। 9 अप्रैल, 1984 को हैदराबाद में उनका इंतकाल हो गया और उन्हें वहीं सुपुर्दे खाक किया गया। 'जय हिन्द' का यह रचयिता हमारे सम्मान का हकदार है। आइये, उसे सलाम करते हुये हम कहें - जयहिंद। जनाब आबिद हसन 'सफरानी'।

सीबीएसई ने घोषित किया 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम, आरडी और सतपुड़ा के बच्चों ने हासिल की उत्कृष्ट सफलता

● कक्षा 12वीं में आशी एवं कक्षा 10वीं की वंशिका, अक्षरा ने किया टॉप

बैतूल। सीबीएसई बोर्ड द्वारा मंगलवार को कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इसमें बैतूल जिले के शैक्षणिक संस्थान आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल और सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। आरडी पब्लिक स्कूल की कक्षा 12वीं की छात्रा आशी भावसार ने ह्यूमैनिटीज संकाय में 98.4

प्रतिशत अंक तथा कक्षा 10वीं की छात्राओं वंशिका मोटवानी एवं अक्षरा वर्मा ने 97 फीसदी अंक हासिल कर जिले में टॉप किया है। आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल के मार्गदर्शन में शिक्षकों के अथक प्रयास और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत से सीबीएसई के रिजल्ट में आरडी पब्लिक स्कूल का दबदबा कायम रहा है। क्वालिटी एजुकेशन के लिए मशहूर शैक्षणिक संस्थान आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल के प्रबंधन और शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं के भविष्य के संवारने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है। सीबीएसई बोर्ड द्वारा घोषित परीक्षा परिणामों में इसकी झलक साफ दिखाई देती है। आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल कक्षा 12वीं में ह्यूमैनिटीज संकाय का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा। 31 में से 29 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में रहे। ह्यूमैनिटीज में आशी भावसार ने हिस्ट्री एवं भूगोल विषय में शत-प्रतिशत अंक हासिल किए। सृष्टि रघुवंशी ने 97 फीसदी अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं कॉमर्स संकाय का रिजल्ट भी शत-प्रतिशत रहा। 87 में से 76 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में आए। निहाल चौधरी ने कॉमर्स संकाय में सर्वाधिक 95.2 फीसदी अंक प्राप्त किए। विज्ञान संकाय में 236 में से 208 छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। बायोलॉजी की छात्रा चहक धोटे ने 95 प्रतिशत अंक हासिल कर उत्कृष्ट सफलता का परचम लहराया।

सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल ने फिर मारी बाजी, आयुष राठौर ने 98 प्रतिशत के साथ किया टॉप

बैतूल। सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल का 10वीं और 12वी बोर्ड परीक्षा परिणाम शानदार रहा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित परिणामों में बैतूल जिले के अग्रणी सीबीएसई स्कूल सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। स्कूल के मैनेजर शिवशंकर मालवीय ने बताया कि दसवीं की परीक्षा में कुल 74 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे, जिनमें से सभी छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए। विज्ञान संकाय के छात्र आयुष राठौर ने 98 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, साथ ही उन्होंने विज्ञान विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। आयुष की इस उपलब्धि से स्कूल में खुशी का माहौल है। प्रशंसा एवले ने 97 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। कृतिका सलामे ने 89

प्रतिशत तथा विकल्प चौधरी ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल की डायरेक्टर दीपाली निलय डागा एवं पूरे सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल परिवार ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही बारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम भी शत-प्रतिशत रहा। स्कूल मैनेजर शिवशंकर मालवीय ने बताया कि कुल 106 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए थे। कला संकाय के 6 में से 5 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी एवं 1 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। विज्ञान संकाय में 67 विद्यार्थियों में से 35 ने प्रथम श्रेणी एवं 32 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। वाणिज्य संकाय में 33 में से 26 ने प्रथम एवं 7 ने द्वितीय श्रेणी में सफलता अर्जित की। शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर दीपाली निलय डागा ने सभी छात्रों और उनके अभिभावकों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल प्रबंधन ने इसे शिक्षकों की मेहनत, विद्यार्थियों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम बताया।

आरडी पब्लिक स्कूल के कक्षा 10वीं के 76 विद्यार्थियों को 90 फीसदी से अधिक अंक

आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। 418 विद्यार्थियों में से 352 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। 76 छात्र-छात्राओं ने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता का परचम लहराया है। कक्षा 10वीं की छात्राओं वंशिका मोटवानी एवं अक्षरा वर्मा ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया है। सीबीएसई कक्षा 12वीं एवं 10वीं में आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल के ऐतिहासिक रिजल्ट को लेकर स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों में भी हर्ष व्याप्त हैं। डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल के मुताबिक बच्चो के भविष्य निर्माण के लिए क्वालिटी एजुकेशन देने के साथ ही समय-समय पर बच्चों को विषय विशेषज्ञों द्वारा करियर गाइडेंस भी दिया जाता है। साथ ही विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी करवाई जा रही है। बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए विज्ञान, तकनीकि, खेल, कला, संगीत सहित अन्य क्षेत्रों में सहभागिता करवाकर मार्गदर्शन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन के साथ ही बच्चों की अथक मेहनत के परिणामस्वरूप साल दर साल उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम आ रहे है।

श्री विनायकम स्कूल में बोर्ड कक्षाओं का रहा शानदार परीक्षा परिणाम

बैतूल। जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान श्री विनायकम स्कूल का सीबीएसई ग्रेड 10 एवं 12 का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। ग्रेड 10 से यामोली मालवी ने 91 प्रतिशत अंकों से प्रथम स्थान प्राप्त किया। भूमिका नाडेकर ने 89.4 ने द्वितीय एवं प्रकाश मानेकर ने 86 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं ग्रेड 12 से उजेर अहमद ने 91.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। पार्थ देशमुख ने 89.6 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय एवं श्रुति लोनारे ने 89.4 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी मेधावी विद्यार्थियों को विद्यालय के डायरेक्टर संजय राठौर सहित प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जन शिकायतों के निराकरण में खराब परफॉर्मेंस पर अधिकारियों का कटेगा वेतन : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

जल संरक्षण एवं संवर्धन के निर्माण कार्यों में गति लाएं

बैतूल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण एवं संवर्धन की अवसंरचना निर्माण के कार्यों में गति लाएं। सभी निकायों में प्रस्तावित रैनवाटर हार्वेस्टिंग, नालो का शोधन, पानी के अपव्यय को रोकने इत्यादि कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं। यह निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिए। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि निकायों में व्यवस्थाएं दुरुस्त रहे। साफ सफाई, पेयजल इत्यादि मूलभूत कार्य सुव्यवस्थित रूप से संचालित हो। जल गंगा संवर्धन अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसी भी स्तर पर

लापरवाही दिखाई देने पर संबंधित सीएमओ के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी एसडीएम को भी अपने क्षेत्र में बनने वाले नवीन भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की भी विभागवार विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने शिकायतों के निराकरण में संतोषजनक प्रगति नहीं लाने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा तीनों अनुविभागीय अधिकारी फॉरेस्ट के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में संतोषजनक प्रगति नहीं लाने पर परफॉर्मेंस प्रतिशत के आधार पर वेतन काटने की कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी सीएमओ को अपने क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय सहित सभी निकायों में सायरन भी लगाएं जाएं। जिला मुख्यालय पर राउंड द क्लॉक कंट्रोल रूम का भी सक्रिय संचालन कराएं। उन्होंने सभी एसडीएम को भी अपने क्षेत्र में धारा 163 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का भी प्रभावी ढंग से पालन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने वनखंड व्यवस्थापन के प्रकरणों के निराकरण की भी बैठक में जानकारी ली। उन्होंने वन विभाग द्वारा वन खंड व्यवस्थापन के प्रकरणों में संतोषजनक प्रगति नहीं लाने पर नाराजगी जाहिर कि। उन्होंने सभी एसडीओ फॉरेस्ट को सख्त हिदायत दी की प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित सभी जिलाधिकारी उपस्थित रहें।

आज विवाह बंधन में बंधेंगे अग्निहोत्री परिवार के लाड़ले राजीव

भौंरा के विजय मंगल भवन में होगा भव्य आयोजन

बैतूल /भौंरा। भौंरा के प्रतिष्ठित अग्निहोत्री परिवार से, श्रीकृष्ण होम अप्लायसेंस के संचालक श्रीमती सरोज स्व. कृष्ण कुमार अग्निहोत्री के बड़े सुपुत्र एवं पत्रकार कल्याण परिषद के जिलाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री

के भतीजे राजीव (राजा) आज बुधवार 14 मई 2025 को सौं. का. रीना के संग सात फेरे लेकर विवाह बंधन में बंधेगे। यह आयोजन पंचमुखी रिद्धि सिद्धि गणेशालय, अग्निहोत्री परिवार के निज निवास भौंरा जिला बैतूल में संपन्न होगा। बारात आज बुधवार को शाम 7 बजे निज निवास से विवाह स्थल विजय मंगलम भवन ग्राम पंचायत भौंरा के पास के लिए प्रस्थान करेगी। अग्निहोत्री परिवार ने विवाह समारोह में इष्टमित्रों, शुभचिंतकों और पत्रकारबंधुओं से शामिल होने का आग्रह किया है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का किया समाधान

जनसुनवाई में फॉरेस्ट विभाग के तीनों एसडीओ अनुपस्थित मिलने पर एक दिन का वेतन काटे जाने के दिए निर्देश

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में आठनेर तहसील के ग्राम धामोरी निवासी बुजुर्ग नामदेव चरपे ने वृद्धा पेंशन को चालू किए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिला पंचायत आठनेर सीईओ को तत्काल वृद्धा पेंशन शुरू किए जाने के निर्देश दिए। भैंसदेही तहसील के ग्राम झल्लार निवासी शेषराव कनाठे ने पंचनामा एवं प्रतिवेदन अनावेदक से दिलवाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने भैंसदेही एसडीएम को पटवारी के खिलाफ कार्रवाई करने और 9 माह का रिकॉर्ड निकलवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा आमला तहसील के ग्राम बोरदेही निवासी डॉ.आशीष बंशकार द्वारा लिवर ट्रांसप्लांट कराने के लिए विधायक निधि से सहायता राशि दिलवाये जाने के आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने स्वास्थ्य

विभाग के संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ श्री अक्षत जैन, संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 118 आवेदन प्राप्त हुए।

आवेदनों का समय सीमा में करें निराकरण- कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनसुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट में स्थित कंट्रोल रूम नंबर-18 का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आवेदकों से प्राप्त आवेदनों के संधारण की स्थिति का अवलोकन भी किया। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके अलावा कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनसुनवाई में फॉरेस्ट विभाग के तीनों एसडीओ अनुपस्थित पाए जाने पर एक दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश दिए, ताकि जिम्मेदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम शोभापुर कॉलोनी निवासी गेंदलाल निरापुरे ने आवेदन के माध्यम से दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी को तत्काल विकलांग प्रमाण पत्र बनवाए जाने के निर्देश दिए। बैतूल निवासी हरिया बंशकार ने रोजगार उपलब्ध कराए जाने के लिए जनसुनवाई में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। चिचोली तहसील के पाथाखेड़ा निवासी रामाधार आर्य द्वारा ट्यूबवेल का कनेक्शन खेत में करवाए जाने के आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों को प्रकरण का तत्काल निराकरण किए जाने के निर्देश दिए।

अतिक्रमण हटाने तहसीलदार को दिए निर्देश

जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम साईंखेड़ा निवासी गगन लावसायेर ने मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाए जाने के लिए जनसुनवाई में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। आठनेर निवासी सुभाष चंद्र जैसवाल ने कॉम्प्लेक्स परिसर के सामने हुए अतिक्रमण को हटाए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आठनेर तहसीलदार को तत्काल अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश दिए। भैंसदेही निवासी शांताबाई प्रजापति ने पूर्णा जिला से पानी नहीं दिए जाने की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। बैतूल तहसील के ग्राम बारव्ही निवासी देवीदास धोटे ने आवासीय पट्टा दिए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैतूल तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैतूल तहसील के ग्राम गोदरा निवासी शांति बाई उइके ने पति के मृत्यु उपरांत कृषि कल्याण से मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि दिलाए जाने के लिए जनसुनवाई में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

एजुकेशन पोर्टल 3.0 नहीं हुआ अपडेट, शिक्षकों को करना पड़ रहा दिक्कतों का सामना

समग्र शिक्षक संघ बैतूल ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। समग्र शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष उत्तमराव ठाकरे के नेतृत्व में 10 माह का एरियर्स भुगतान को लेकर लेखापाल हेमन्त मालवीय को ज्ञापन सौंपा। इस संबंध में जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद साहू ने बताया कि कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा शिक्षकों का लगभग 10 माह का एरियर्स जो दिपके ने बताया कि वर्तमान में एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर शिक्षकों की अतिशेष की कार्यवाही प्रारंभ है। परन्तु एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर संस्था में पदों का अपडेशन सही नही होने, जारी अतिशेष की सूची में शिक्षकों की दो यूनिक आईडी और कर्मचारियों की विभिन्न जानकारी में त्रुटि होने के कारण शिक्षक

मार्च 2025 के पूर्व ही भुगतान किया जाना था जो आज पर्यन्त तक भुगतान नहीं किया गया। लेखापाल द्वारा अतिशीघ्र महंगाई भत्ते की राशि का भुगतान करने का आश्वासन दिया। ब्लॉक अध्यक्ष बैतूल कमलेश खासदेव और कोषाध्यक्ष बेनी प्रसाद सुरजाये ने बताया की 24 वर्ष व 30 वर्ष के सेवा अवधि पूर्ण करने वाले सहायक शिक्षक, शिक्षक और प्रधान पाठक माध्यमिक शाला के क्रमोन्नत वेतनमान के आदेश जारी नहीं हुए हैं। साथ ही सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग में भी ज्ञापन सौंपा गया। प्रांतीय उपाध्यक्ष उत्तमराव ठाकरे एवं संभागीय महामंत्री ललित अतिशेष की सूची में प्रदर्शित हो रहे है जिससे शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.अनिल कुशवाह द्वारा 24 वर्ष एवं 30 वर्ष क्रमोन्नत वेतनमान के लिए प्रस्ताव के लिए आदेश जारी करने एवं एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर अपडेशन हेतु आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष उत्तमराव ठाकरे, जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद साहू, संभागीय महामंत्री ललित दीपके, कोषाध्यक्ष बेनीप्रसाद सुरजाये, ब्लाक अध्यक्ष बैतूल कमलेश खासदेव, सुभाषचंद्र देशमुख, श्रीमती शिवहरे सहित संघ के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

पुलिस ने अवैध जुआ खेलने वालों पर की कार्यवाही

बैतूल। अवैध जुआ खेलने वालों पर कार्यवाही करते हुए सारणी पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को 12 मई को रात्रि लगभग 1 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि शोभापुर कालोनी स्थित नूरी मस्जिद के पास कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपयों से हार-जीत का दांव लगाकर अवैध रूप से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए सारणी पुलिस ने मौके पर दबिश दी और विश्वनाथ डेहरिया, निवासी रावनवाड़ा वस्ति, हाल निवासी क्वार्टर नं. 2205 शोभापुर, ललन गुप्ता निवासी हॉस्पिटल कॉलोनी पाथाखेड़ा, सोनू गिरी, निवासी पटेल नगर, वार्ड नं. 20 पाथाखेड़ा, राशिद अंसारी निवासी भरत नगर, वार्ड नं. 19, पाथाखेड़ा, हर्षित वस्त्रा निवासी शास्त्री नगर पाथाखेड़ा, आफताब अंसारी निवासी भरत नगर पाथाखेड़ा, देवीराम पहाड़े निवासी ग्राम मरकाढाना, संदीप गोहे निवासी शोभापुर कॉलोनी, गणेश चौक शोभापुर गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 52 ताश के पत्ते एवं कुल 21,900 नगद बरामद किए गए।

आदि गुरु शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत दर्शन की स्थापना कर उन्नति का मार्ग किया प्रशस्त : केंद्रीय मंत्री

आदि गुरु शंकराचार्य जी के जन्मोत्सव पखवाड़े पर व्याख्यानमाला का आयोजन

बैतूल। आदि गुरु शंकराचार्य जन्मोत्सव पखवाड़े पर मंगलवार को व्याख्यान माला का शुभारंभ बैतूल के भारत-भारती परिसर में अतिथियों द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री जनजातीय मामले भारत सरकार दुर्गादास उइके, मप्र जन अभियान परिषद उपाध्यक्ष मोहन नागर, शासी निकाय सदस्य म.प्र. जन अभियान परिषद बुधपाल पाल ठाकुर, अनिल अग्रवाल कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अवधारणा जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने रखी। उपस्थित अतिथियों का अंग वस्त्र एवं पुष्प भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री जनजातीय मामले भारत सरकार श्री दुर्गादास उइके ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य शंकराचार्य ने सभी वेदों के भाष्य लिखकर उनका सरलीकरण कर समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया।

अद्वैतवाद के सिद्धांत के बारे में भी विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी ने उपनिषदों और ब्रह्मसूत्र की व्याख्या करते हुए अद्वैत वेदांत दर्शन की स्थापना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा जन अभियान परिषद श्री मोहन नागर ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी ने राष्ट्र को एकाकार करके एकात्म दर्शन को बतलाया है। साथ ही संगठित भारत को एक नई पहचान दी। शासी निकाय सदस्य म.प्र. जन अभियान परिषद श्री बुधपाल सिंह ठाकुर ने भारत में आदि गुरु शंकराचार्य जी के योगदान पर प्रकाश डाला। जिला समन्वयक प्रिया चौधरी ने जल गंगा संवर्धन अभियान की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन विकासखण्ड समन्वयक घोड़ाडोंगरी सन्तोष राजपूत एवं आभार विकासखण्ड समन्वयक पट्टन श्रीमती राधा बरोदे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संभाग समन्वयक नर्मदापुरम श्री कौशलेश तिवारी, समस्त विकासखंड समन्वयक , सामाजिक कार्यकर्ता, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि, स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि, समस्त परामर्शदाता सहित 130 प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बोरगांव जीन में 160 नग अवैध सागौन चिरान जब्त

अवैध फर्नीचर निर्माण में लिप्त 4 आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। वन विभाग द्वारा वन माफियाओं के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत 12 मई को वनमंडलाधिकारी, दक्षिण विजयानन्तम टी.आर. के मार्गदर्शन और वन परिक्षेत्र अधिकारी दयानंद डेहरिया के निर्देशन में बड़ी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में वनमंडल स्तरीय उड़नदस्ता टीम प्रभारी राजेश शर्मा, वनपाल एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी तासी (सा.)

दयानन्द डेहरिया के नेतृत्व में गठित टीम ने ग्राम बोरगांव जीन में अवैध फर्नीचर निर्माण कार्य करने वाले 4 आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की। आरोपियों में मुख्य रूप से अनिरुद्ध उर्फ बाबूलाल मालवी, राजेश वल्द छोटेलाल मालवीय, रमेश शालिग्राम मालवी, राजू बाबूलाल मालवी शामिल हैं। इन आरोपियों के घरों से अवैध रूप से संग्रहित सागौन चिरान 160 नग जब्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 50 हजार रुपये आंका गया है। आरोपियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्यवाही में मोहम्मद इफ्तिखार खान, ओंकारनाथ मालवीय परिक्षेत्र सहायक सेहरा, राजेश शर्मा वनपाल, प्रदीप परिहार, कृष्ण कुमार दंडोलिया, भैयालाल कुमरे, जितेंद्र चौकीकर, प्रतीक मोहरे, श्रीमती अनीता सलामे, प्रियंका डहरिया, सोनू पुण्डे, ललिता उईके, देवकरण भारती, विजय पिपरधे, केशव राने, लेखराज धाकड़, शुभम राठौड़ वनरक्षक की अहम भूमिका रही।

सोनिया दुबे दीवान बनीं भारत की पहली 'सर्टिफाइड इमेज मास्टर'

भोपाल। इंडियन स्कूल ऑफ इमेज मैनेजमेंट, मुंबई की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुश्री सोनिया दुबे दीवान को एसोसिएशन ऑफ इमेज कंसल्टेंट्स इंटरनेशनल (एआईसीआई)

द्वारा फिलीपींस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सर्टिफाइड इमेज मास्टर' (सीआईएम) की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह इमेज कंसल्टिंग के क्षेत्र में सर्वोच्च वैश्विक मान्यता मानी जाती है। सोनिया दुबे दीवान यह गौरव हासिल करने वाली न केवल भारत की पहली, बल्कि अब तक की एकमात्र 'सर्टिफाइड इमेज मास्टर' हैं। उल्लेखनीय है कि यह उपाधि अब तक विश्व भर में केवल 21 विशेषज्ञों को ही प्राप्त हुई है। सीआईएम उपाधि एक तरह से इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, पेशेवर प्रतिबद्धता और समाज पर सकारात्मक प्रभाव की पहचान है। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने सोनिया को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दी है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने वरिष्ठ पत्रकार अनिल दुबे के निधन पर व्यक्त किया शोक

भोपाल । उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया से लंबे समय तक संबद्ध रहे पत्रकार श्री अनिल दुबे के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

एम्स भोपाल में 3-डी प्रिंटिंग तकनीक से हड्डी रोगों के इलाज में नई पहल

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में आर्थोपेडिक्स विभाग में अब इन-हाउस 3-डी प्रिंटिंग सुविधा की शुरुआत की गई है, जो चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हाल ही में इस तकनीक का उपयोग करते हुए एक डिस्टल फीमर मैलयून के जटिल मामले का सफलतापूर्वक सर्जिकल सुधार किया गया। इस प्रक्रिया के लिए रोगी-विशिष्ट 3-डी प्रिंटेड कटिंग गाइड का निर्माण एम्स भोपाल में ही किया गया, और यह पूरी तरह निःशुल्क प्रदान किया गया, जिससे मरीज पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। 3-डी प्रिंटिंग तकनीक की मदद से हड्डियों की सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित और प्रभावी बनती है। यह मरीजों को उनकी विशेष शारीरिक संरचना के अनुसार कस्टमाइज्ड उपचार उपलब्ध कराती है, जो पारंपरिक तरीकों की तुलना में बेहतर परिणाम देती है। इस तकनीक का उपयोग भविष्य में कई अन्य जटिल मामलों में भी किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, एम्स भोपाल में इन-हाउस 3-डी प्रिंटिंग सुविधा की शुरुआत चिकित्सा विज्ञान में एक बड़ी प्रगति है।

दो सड़क हादसों में दो की मौत

बैतूल। बैतूल कोतवाली थाना क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की जान चली गई। मृतकों में टिगरिया निवासी टेंट व्यवसाई रामचरण (50) और साकादेही निवासी मजदूर रामप्रसाद इवने शामिल हैं। पहली घटना में, रामचरण बीती रात बैतूल से अपने गांव लौट रहे थे। भोपाल हाइवे पर एक अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घायल अवस्था में उन्हें जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना में रामप्रसाद इवने कल रात साकादेही से बांसपानी जा रहे थे। रास्ते में एक तूफान वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। ग्रामीणों ने वाहन को रोक लिया, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया।

6 करोड़ 87 लाख रूपये की लागत से बनी 7.10 किमी बग्गड़ -एकलदूना से किलोली सड़क मार्ग का लोकार्पण

गाँव गाँव तक पहुंची सड़क अब खेतों तक पानी पहुंचाने के करेंगे प्रयास -विधायक नीना वर्मा

धार। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बग्गड़-एकलदूना से किलोली मार्ग तक बनी 7.10 किलोमीटर लंबी सड़क जिसकी लागत 6 करोड़ 87 लाख की है का लोकार्पण मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा एवं धार विधायक नीना विक्रम वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन एवं प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

स्थानीय जनों ने किया आत्मीय स्वागत- लोकार्पण कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने पुष्पवर्षा, पारंपरिक वाद्य यंत्रों एवं माल्यार्पण के माध्यम से अतिथियों का भव्य स्वागत किया एवं पूरे गाँव में स्वागत भ्रमण करवाया जिसमे घर घर से लोगों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं विधायक का स्वागत कर अभिनन्दन किया। ग्रामीणों में इस बहुप्रतीक्षित सड़क के निर्माण को लेकर विशेष उत्साह एवं संतोष देखा गया, क्योंकि यह मार्ग वर्षों से जर्जर अवस्था में था, जिससे आवागमन में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

विकास कार्यों का किया उल्लेख - पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने अपने उद्बोधन में क्षेत्र में गत वर्षों में संपन्न हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं ही किसी क्षेत्र की उन्नति का आधार होती हैं। श्री वर्मा ने कहा मप्र में भाजपा की सरकार ने अभूतपूर्व विकास के काम किये हमने धार विधानसभा कों एक

आदर्श विधानसभा बनाने का सपना देखा जो लगातार मेरे बाद विधायक नीना वर्मा पूरा कर रही है, हमने कभी भी क्षेत्र के विकास के लिए भेदभाव नहीं किया जहां कार्यों के लिए क्षेत्र के लोगो ने बताया हमने तत्काल उसकी स्वीकृति के लिए प्रयास किये ऐसे भी कई स्थान है जहां से लोगो ने एक काम की डिमांड की हमने वहा बिना मांगे कई विकास के काम किये।

भारतीय सेना की तारीफ की - पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री वर्मा ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा की आज देश में ऐसी सरकार है जो दुश्मनों की आँखों में आँखे डालकर बात करती है देश के नागरिकों कों पूर्ण विश्वास है की अगर हमारे ऊपर एक गोली चली तो हमारे सैनिक गोले चलाएंगे।

विधानसभा में गाँव गाँव तक पहुंची सड़क, अब खेतों तक पानी की बारी: विधायक नीना वर्मा- धार विधायक नीना विक्रम वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार एवं हमारी पहली प्राथमिकता क्षेत्रीय विकास है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य लगातार किए जाएंगे। श्रीमती वर्मा ने कहा कि आज हमारी विधानसभा में प्रत्येक गाँव लगभग सड़कों से जुड़ चुके है वर्मा जी का सपना है की विधानसभा के प्रत्येक गाँव के किसानों के खेत तक भी पानी की पहुंच हो विधायक ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का धन्यवाद देते हुए कहा की उन्होंने उमरबन में आयोजित कार्यक्रम में धार उद्धवहन सिंचाई की घोषणा की जिसके माध्यम से विधानसभा की 1 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित होंगी जिसका लाभ विधानसभा के 90 गाँवो कों मिलेगा। अब हम आगे किसानों के खेतों तक कैसे पानी पहुंचे इसके लिए प्रयास करेंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि हेमसिंह पटेल,डॉ शरद विजयवर्गीय,मण्डल अध्यक्ष जीवन सिंह पटेल, कृष्णकांत पटेल, कृष्णा मौर्य, सौदानसिंह मौर्य, कालू चौधरी, संजय चौधरी, दिलीप पाटीदार, मुकेश रघुवंशी आदि मौजूद रहे।

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के समापन पर भंडारे का आयोजन

सुबह सवेरे सोहागपुर। श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के समापन के अवसर पर राज्य मार्ग 22 पर स्थित शिव पार्वती मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन संपन्न हुआ। श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ समिति के सदस्य एवं अधिवक्ता शिव कुमार पटैल तथा धन सिंह रघुवंशी ने बताया कि श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ शिव पार्वती मंदिर परिसर में 41 वर्षों के बाद 1 से 11 मई को तक महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई । 12 मई को भंडारे का आयोजन किया गया

जिसमें हजारों नागरिकों ने भंडारे की प्रसादी ग्रहण की। इसके उपरांत श्री लक्ष्मी नारायण भगवान की प्रतिमा को रेवाबनखेड़ी नर्मदा घाट में किया गया। महायज्ञ में आचार्य विकास शर्मा,कथा वाचक पंडित गुरु साहब शर्मा,पंडित रामकिशोर दुबे, शिरोमणि दुबे ने व्यासपीठ से श्रोताओं को भगवान श्री कृष्ण की कथा, श्रीमद्भागवत महापुराण एवं श्री राम कथा का अमृत रसपान कराया।यज्ञ की संचालित समिति में अधिवक्ता शिवकुमार पटेल,धन सिंह रघुवंशी,पोहप सिंह विश्वकर्मा,द्वारकाप्रसाद मेहरा,मनोहर विश्वकर्मा, सुरेंद्र मालवीय रज्जू कहार,निलेश मालवीय आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।समिति सदस्य शिवकुमार पटेल ने समस्त दानदाताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया है।

शंकर-विवेकानंद सन्यास आश्रम में जगद्गुरु स्वामी शंकराचार्य की जयंती के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय समारोह

सुबह सवेरे सोहागपुर। यहां से करीबन 11 किलोमीटर दूर शंकर विवेकानंद संन्यास आश्रम माँ नर्मदा परिक्रमा मार्ग पर स्थित ग्राम ईशरपुर में जगद्गुरु श्रीमद् आदी शंकराचार्य एवं स्वामी विवेकानंद जी के भावधारा पर आधारित आश्रम में जयंती उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम संम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर रविवार को सुबह 7बजे से अखंड रामचरितमानस का पाठ प्रारंभ हुआ। रात्रि में भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। सुबह मंगलवार को अखंड रामचरितमानस के पाठ का समापन हुआ। हवन के उपरांत कई वक्ताओं ने आदि शंकराचार्य के दर्शन जीवन पर आधारित विस्तृत वर्णन किया

गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत कांग्रेस नेता पुष्पराज सिंह पटेल के आतिथ्य में प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन वकील प्रांजल तिवारी ने किया।

स्वामी ईशानंद सरस्वती ने बताया कि दीव्या पटेल ग्राम महुआखेडा, दसवीं में नर्मदा पुरम जिले में प्रथम,ज्योति पटेल दसवीं ग्राम शोभापुर, लक्ष्मी सराठिया दसवीं ग्राम कामती स्कूल,ममता मेहरा दसवींग्राम नया खेड़ा, आशी राजपूत बारवीं ग्राम ईशरपुर उईके को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में भंडारे का आयोजन किया गया । इस अवसर पर सन्त महात्मा, आश्रम से जुड़े हुए भक्तमण्डल, आसपास के ग्रामवासी, विभिन्न आधिकारियों, स्कूल कलेज के शिक्षक सहित भारी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि शंकर विवेकानंद संन्यास आश्रम ईश्वरपुर में विगत 15 सालों से नर्मदा परिक्रमा वासियों को प्रतिदिन भंडारे की प्रसादी प्रदान की जाती है।

घोड़ाडोंगरी विधायक ने की मुख्यमंत्री और मंत्री से मुलाकात, विकास कार्यों पर चर्चा

बैतूल। घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगाबाई उइके ने मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और शहरी विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। मुख्य रूप से काठा नाला देवकुड कोटमी डेम के निर्माण और क्षेत्र में जलापूर्ति की व्यवस्था पर विचार विमर्श किया गया। इस परियोजना से क्षेत्र के किसानों और स्थानीय निवासियों को सिंचाई और पानी की आपूर्ति में मदद मिलेगी। इस दौरान पीएचई विभाग से विधानसभा

क्षेत्र में 25 हैडपंप की स्वीकृति भी प्राप्त की गई। यह कदम क्षेत्र में पानी की उपलब्धता को बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है, जिससे लोगों को पीने के पानी की सुविधा मिलेगी। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों जैसे सडक़ निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे को लेकर भी चर्चा की गई। विधायक श्रीमती गंगाबाई उइके ने मुख्यमंत्री और मंत्री से इन कार्यों के लिए जरूरी धनराशि और संसाधन प्रदान करने की अपील की। विधायक श्रीमती उइके ने कहा कि ने राज्य सरकार की योजनाओं को सही तरीके से लागू कर क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास जारी रहेगा। इस मुलाकात के बाद क्षेत्रवासियों को और अधिक विकास कार्यों की उम्मीद बढ़ गई है।

एम्स भोपाल में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस 2025 का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न

भोपाल। एम्स भोपाल में कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस 2025 का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह दिवस प्रत्येक वर्ष 12 मई को आधुनिक नर्सिंग की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम थी। हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। नर्सों की देखभाल अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाती है । नर्सिंग अधीक्षक श्री अखिल टी. ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा, नर्सिंग केवल सेवा नहीं, एक समर्पण और करुणा की अभिव्यक्ति है। हमें गर्व है कि एम्स भोपाल की नर्सिंग टीम इस भावना को पूरी निष्ठा से निभा रही है। श्री कपिल कुमार ने अंतरराष्ट्रीय नर्स सप्ताह 2025 के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सप्ताह भर चले इस आयोजन में नर्सिंग स्टाफ और छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं, शैक्षणिक सत्रों और जन-जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन्हीं गतिविधियों में एक प्रमुख आयोजन रहा। एम्स भोपाल के ब्लड बैंक क्षेत्र में राष्ट्र सेवा में रक्तदान विषय पर आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर। इसका उद्देश्य था जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, नर्सें केवल चिकित्सा सेवा नहीं देतीं, वे हर मरीज के लिए आशा और सहानुभूति की प्रतिमूर्ति होती हैं। वे स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ हैं और समाज का अभिन्न स्तंभ भी। आज हमें गर्व है कि एम्स भोपाल की नर्सें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रही हैं। कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार (उप निदेशक, प्रशासन) ने अपने सैन्य अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा, कठिन परिस्थितियों में भी नर्सों की करुणा और निष्ठा अद्वितीय होती है। उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाना चाहिए। डीन (शैक्षणिक) प्रो. (डॉ.) रजनीश जोशी ने नर्सिंग शिक्षा की प्रगति और एम्स भोपाल की नर्सिंग फैकल्टी की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा, नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि यह सेवा, समर्पण और संवेदना का प्रतीक है। हमें गर्व है कि हमारे यहां से प्रशिक्षित नर्सें देशभर में उत्कृष्ट सेवाएं दे रही हैं। कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय नर्स सप्ताह के अंतर्गत आयोजित काव्य पाठ, शोध प्रस्तुतियाँ, पोस्टर प्रदर्शनी, क्विज़ प्रतियोगिता, खेलकूद आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम आज

आज पुलिस ग्राउंड बैतूल में आयोजित होगा सामूहिक विवाह कार्यक्रम

बैतूल। जनपद पंचायत चिचोली के तत्वावधान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना 2025 के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम आज 14 मई को पुलिस ग्राउंड बैतूल में प्रात: 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चिचोली ने बताया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंग उइके की अध्यक्षता में आयोजित होगा। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके, विशेष अतिथि बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, भैंसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में चिचोली तहसील के वर-वधू सात फेरे लेकर परिणय सूत्र में बंधेंगे।

सिंगल विंडो सुविधा से सहकारी समितियों, निवेशकों और किसानों को मिलेगा त्वरित समाधान : मंत्री सारंग

प्रदेश में सीपीपीपी मॉडल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये 'सीपीपीपी विंग' की स्थापना

भोपाल। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रदेश में सीपीपीपी मॉडल के अंतर्गत इन्वेस्टर्स समिट में हुए एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन और सुनियोजित मॉनिटरिंग के लिये एक विशेष 'सीपीपीपी विंग' की स्थापना के निर्देश दिये। यह सीपीपीपी विंग निजी निवेशकों, सहकारी समितियों और किसानों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से सभी प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के निर्देशों के परिपालन में मंगलवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) मॉडल की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये है कि इस विंग के लिए पृथक कार्यालय स्थापित किया जाए तथा इसके माध्यम से एमओयू की प्रगति की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में सीपीपीपी मॉडल के सफल एवं धरातलीय क्रियान्वयन तथा सहकारी क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रबंध संचालक विपणन संघ श्री आलोक कुमार सिंह, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक श्री मनोज पुष्प सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंगल विंडो सुविधा से सहकारी समितियों, निवेशकों और किसानों को मिलेगा त्वरित समाधान- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सीपीपीपी विंग किसानों, सहकारी समितियों तथा निजी निवेशकों की समस्याओं के समाधान के लिये सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा। यह प्लेटफॉर्म निवेश संबंधी आवश्यक अनुमतियों, प्रक्रियाओं एवं मार्गदर्शन के लिए एक एकीकृत व्यवस्था उपलब्ध कराएगा। इसके अंतर्गत सहकारी बैंकों, समितियों, किसानों व निजी उद्यमियों के मध्य एमओयू की प्रक्रिया को सुलभ और पारदर्शी बनाया जाएगा।

सीपीपीपी विंग भारतीय उद्योग परिसंघ व एमपीआईडीसी के साथ करेगा समन्वय

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सीपीपीपी विंग की कार्य प्रणाली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के साथ समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह विंग केन्द्र एवं राज्य सरकार की सहकारी योजनाओं के साथ जुड़कर किसानों, नव उद्यमियों और सहकारी संस्थाओं को योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

कच्चा माल उत्पादक किसानों के लिये प्रशिक्षण कार्यशालाओं और वृहद सेमिनार

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सहकारी क्षेत्र में कच्चे माल का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। इसका उद्देश्य उत्पादन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना और किसानों को तकनीकी ज्ञान से सशक्त बनाना होगा। साथ ही प्रदेश में एक वृहद सेमिनार का आयोजन भी किया जाए, जिसमें सफल सहकारी उद्यमियों, संस्थाओं और श्रेष्ठ कार्य करने वाले किसानों को आमंत्रित किया जाएगा। इससे सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों और अनुभवों का आदान-प्रदान होगा।

प्रदेश की सहकारी समितियों की परफॉर्मेंस आधारित ग्रेडिंग होगी

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश की सभी सहकारी समितियों की ग्रेडिंग की जाए। यह ग्रेडिंग समितियों की वित्तीय स्थिति, प्रबंधन की पारदर्शिता, सेवाओं की गुणवत्ता, लाभांश वितरण और कृषकों तथा सदस्यों को दी जा रही सुविधाओं के आधार पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस ग्रेडिंग प्रणाली के माध्यम से समितियों की कार्य प्रणाली, पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन, सदस्य संतुष्टि और नवाचार की क्षमताओं का मूल्यांकन किया जा सकेगा।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में होगा विशेष आयोजन

बैतूल। अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस 15 मई को मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग द्वारा सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियों पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन औद्योगिक क्षेत्र के महिला औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, बैतूल में कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन के मार्गदर्शन में आयोजित होगा। इस आयोजन का उद्देश्य परिवार के महत्व और उपयोगिता के प्रति जागरूकता फैलाना है, जिससे समाज में स्वस्थ और सशक्त परिवारों का निर्माण हो सके। आनंद विभाग के जिला संपर्क व्यक्ति महेश गुंजेले ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर हर वर्ष 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य परिवारों के महत्व को स्वीकार करना और दुनिया भर में परिवारों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन परिवार को समाज की प्राथमिक इकाई के रूप में जोड़ने का संदेश देता है और वैश्विक स्तर पर परिवारों के सर्वोत्तम हित में एक सशक्त जागृति का कार्य करता है। आनंद विभाग इस मौके पर अपने आनंदकों से आह्वान करता है कि वे स्वैच्छिक ऑनलाइन प्रयासों से जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को भाग लेने के लिए आनंद विभाग की टीम से संपर्क किया जा सकता है, जिसमें जिला नोडल अधिकारी सतीश पंवार, मास्टर ट्रेनर आनंदम तुलिका पचौरी, दिलीप गीद, रेखा कापसे और आनंदम सहयोगी आशीष पचौरी सहित जिला संपर्क व्यक्ति महेश गुंजेले शामिल हैं।

सीबीएसई 10वीं रिजल्ट- एमपी के 92.71 प्रतिशत स्टूडेंट पास

इनमें 91.32 प्रतिशत लड़के, 94.40 प्रतिशत लड़कियां ; एक लाख 15 हजार ने दी थी परीक्षा

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं के बाद 10वीं परीक्षा का रिजल्ट भी जारी कर दिया है। मध्यप्रदेश के 92.71 प्रतिशत छात्र-छात्राएं पास हुए हैं। मध्यप्रदेश में एक लाख 15 हजार 645 स्टूडेंट ने परीक्षा दी थी। जिनमें से एक लाख 7 हजार 211 पास हुए हैं। लड़कों का प्रतिशत 91.32 रहा जबकि 94.40 प्रतिशत लड़कियां पास हुई हैं। मध्यप्रदेश में 10वीं तक के 1506 सीबीएसई स्कूल हैं। इस साल बोर्ड ने 493 एग्जाम सेंटर बनाए थे।

मेरिट लिस्ट जारी नहीं होगी

सीबीएसई बोर्ड मेरिट लिस्ट जारी नहीं करता है। इसके अलावा रिजल्ट में कोई टॉपर भी घोषित नहीं किया जाता है। बोर्ड सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को ये निर्देश भी देता है कि किसी भी बच्चे को स्कूल या जिले का टॉपर घोषित न करें।

स्कूल से मिलेगी ओरिजिनल मार्कशीट

रिजल्ट घोषित होने के बाद स्टूडेंट्स अपनी मार्कशीट ऑनलाइन देख सकते हैं, लेकिन ये केवल टेंपरेरी है। छात्रों को अपनी ओरिजिनल मार्कशीट अपने स्कूल से लेनी होगी। ओरिजिनल मार्कशीट आगे की पढ़ाई और अन्य आधिकारिक कामों के लिए जरूरी होती है। स्कूल आमतौर पर स्टूडेंट्स को ओरिजिनल मार्कशीट के बारे में अपडेट कर देते हैं।

सीबीएसई 12वीं रिजल्ट-म.प्र.में 82.46 प्रतिशत स्टूडेंट पास, लड़कियों ने बाजी मारी

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 12वीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस साल 88.39 प्रतिशत स्टूडेंट पास हुए हैं। मध्यप्रदेश का रिजल्ट 82.46 प्रतिशत रहा है।

इंदौर की अनन्या शर्मा को मिले 99.2 प्रतिशत

इंदौर से 12वीं की टॉपर अनन्या शर्मा (99.2) ने बताया कि जितना मन होता था उतना पढ़ती थी, पर नियमित और पूरी लगन से। नोट्स बनाकर पढ़ने से मदद मिली। मैं लॉ की तैयारी कर रही हूं। परीक्षा के समय सोशल मीडिया से दूर नहीं रही। खूब घूमी पर उन्हें कभी अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

भोपाल की अनुष्का चौहान को 98.2 प्रतिशत अंक मिले

आईपीएस स्कूल की छात्रा अनुष्का चौहान 98.2 प्रतिशत के साथ भोपाल से 12वीं की टॉपर रहीं। उन्होंने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी की भी परीक्षा दी है। टीचर्स के मार्गदर्शन की वजह से अच्छा रिजल्ट आया है। घरवालों ने कभी किसी और चीज का दबाव नहीं बनाया। इसके चलते वो पढ़ाई पर बेहतर तरीके से फोकस कर पाईं। अनुष्का ने 10वीं कक्षा में भी टॉप किया था।

मुंडन समारोह में मटका कुल्फी खाने से 40 बच्चे बीमार

सीहोर में 3 बच्चों की हालत गंभीर, दुकानदार गिरफ्तार

सीहोर (नप्र)। सीहोर जिले की जावर तहसील के गांव भाऊखेड़ी में सोमवार शाम एक मुंडन कार्यक्रम के दौरान खराब मटका कुल्फी खाने से लगभग 40 बच्चे बीमार हो गए। बच्चों को उल्टी और दस्त की शिकायत हुई। बच्चों को रात में ही जावर और आष्टा के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

आष्टा के सिविल अस्पताल में 11 बच्चों को भर्ती किया गया। तीन बच्चों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर करने की तैयारी की जा रही है। बाकी बच्चों की स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है।

कुल्फी खाने के आधे घंटे बाद बिगड़ी हालत- घटना मामा के यहां मान उतारने के कार्यक्रम के दौरान हुई। कुल्फी खाने के लगभग आधे घंटे बाद बच्चों की तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। स्थानीय प्रशासन के अधिकारी अस्पताल पहुंचे और बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

जावर थाना प्रभारी अनीता देयरवाल के अनुसार, सुरेंद्र निवासी भाऊखेड़ी की शिकायत पर कुल्फी विक्रेता अफजल के खिलाफ धारा 274, 275 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

खराब कुल्फी होने की आशंका- प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने वनीला पाउडर और अन्य सामग्री मिलाकर कुल्फी बनाई थी।

भोपाल-रायसेन, विदिशा में बारिश, पूरे एमपी में अलर्ट

38 जिलों में आंधी चलेगी ; तीन सिस्टम की वजह से बदला मौसम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट है। भोपाल में 2 बजे के बाद करीब आधा घंटा हल्की बारिश हुई। रायसेन और विदिशा में भी करीब 10 मिनट तक तेज बारिश हुई। अगले कुछ घंटे में बड़वानी, छिंदवाड़ा, सिवनी, धार, पांढुर्णा, अलीराजपुर, देवास, सीहोर, हरदा, बुरहानपुर, डिंडोरी, अनूपपुर और सागर में मौसम बदला रहेगा।

प्रदेश में 3 सिस्टम एक्टिव हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से आंधी-बारिश का दौर जारी है। आज 38 जिलों में आंधी का अलर्ट है, इनमें भोपाल, उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, निवाड़ी, टीकमगढ़, सागर, दमोह, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी और पांढुर्णा शामिल हैं। यहां 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार से आंधी चल सकती है।

प्रदेश में मानसून की आमद 15 जून को हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को मानसून ने

अंडमान द्वीप में दस्तक दे दी। अब यह धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा और 15 जून तक प्रदेश के दक्षिणी हिस्से यानी बालाघाट, सिवनी, मंडला, बैतूल, बुरहानपुर आदि जिलों के रास्ते से प्रदेश में आ जाएगा। इसके 10 दिन के अंदर मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर सकता है। रायसेन में दोपहर में अचानक मौसम बदला और तेज बारिश शुरू हो गई।

ग्वालियर में 40.4 डिग्री रहा तापमान

प्रदेश में दिन का तापमान फिर से 41 डिग्री के पार पहुंच गया है। सोमवार को सबसे गर्म खजुराहो रहा। जहां तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सतना में 40.7 डिग्री, रीवा में 40.5 डिग्री और नरसिंहपुर में 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.4 डिग्री, इंदौर में 36.7 डिग्री, ग्वालियर में 40.4 डिग्री, उज्जैन में 37.8 डिग्री और जबलपुर में 38.3 डिग्री रहा। इकलौता हिल स्टेशन में तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इधर, भोपाल में पूरे दिन धूप खिली रही थी, लेकिन शाम को मौसम बदल गया। कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, रात में कई जिलों में बारिश हो सकती है।

उत्तरी हिस्से में गर्मी का असर बढ़ेगा

मौसम विभाग के अनुसार, 16 मई तक प्रदेश में आंधी, बारिश का अलर्ट है। जिन जिलों में सिस्टम की एक्टिविटी नहीं रहेगी, वहां गर्मी बढ़ जाएगी। उत्तरी हिस्से यानी, ग्वालियर-चंबल में आंधी-बारिश के साथ गर्मी का असर भी बना रहेगा।

इसलिए बदला मौसम

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वर्तमान में कुछ सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में मौसम बदला है। 16 मई तक हल्की बारिश गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद गर्मी का असर बढ़ सकता है।